आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 330 | उज्जैन, सोमवार 20 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

गोवर्धन पर्वः प्रकृति से सह-अस्तित्व और समग्र विकास का उत्सव-मुख्यमंत्री

उज्जैन । आप सभी को दीपोत्सव, गोवर्धन पूजा और अन्नकूट उत्सव की शुभकामनाएं और बधाई...दीपावली के उत्सव की श्रृंखला में आरोग्य, आर्थिक समृद्धि, परिवार एवं समाज समन्वय और पर्यावरण संरक्षण का संदेश है।

दीपावली के अगले दिन होने वाला गोवर्धन पर्व प्रकृति, पर्वत और गौ-वंश संरक्षण की भारतीय प्राचीन परंपरा का प्रतीक है। इस परंपरा का साक्षात दर्शन हमें भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर धारण करने से मिलता है। मानवता की रक्षा के इसी पावन स्मृति में गोवर्धन पूजन किया जाता है। इस पर्व में गौ-धन के संवर्धन की प्रेरणा है जो भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें भारतीय समाज की वह जीवनदृष्टि समाहित है, जिसमें प्रकृति, पशु, मनुष्य और देवत्व का संतुलन देखने को मिलता है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हम प्रदेशभर में गोवर्धन पर्व का आयोजन कर रहे हैं। यह पर्व सभी जिलों में लोक अनुष्ठान और सांस्कृतिक परंपराओं के अनुसार मनाया जा रहा है। आयोजन में पशुपालन तथा दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में नवाचार करने वाले उद्यमियों को सम्मानित किया जायेगा। इस अवसर पर पशुपालन, कृषि और सहकारिता विभाग की जन-कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के साथ लोगों को जोड़ने और ग्रामीण आजीविका के लिए दुग्ध उत्पादन और वृंदावन ग्राम योजना के विस्तार की गतिविधियों का संचालन शुरू किया गया है।

हमारे पर्व-परंपराओं में प्रकृति से सह-अस्तित्व और समग्र विकास का भाव है। इसी कड़ी में गोवर्धन पर्व प्रकृति और प्राणियों के बीच समन्वय और संरक्षण से जुड़ा है। इस दिन गोबर से पर्वत का प्रतीक बनाकर उसकी पूजा की जाती है। पर्वत का प्राकृतिक संतुलन में महत्वपूर्ण योगदान है। पर्वत जल संरक्षण, संवर्धन और ऋतुओं के संतुलन का समन्वय करते हैं। इससे नदी, तालाब तथा अन्य जलस्रोत सुरक्षित रहते हैं। गोवर्धन पूजन में पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संकल्प भी है। हमारा प्रयास है कि इस पर्व के माध्यम से प्रकृति और पशुधन का महत्व नई पीढ़ी तक पहुंचे।

मध्यप्रदेश अपनी प्राकृतिक संपदा के साथ गौ-वंश से समृद्ध है। गौ-माता में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास होता है। हमने वर्ष 2024-25 को गौ-संरक्षण एवं संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया। हम पशुपालक किसानों की आय को दोगुना करने के लिए प्रयासरत हैं। देश के दुग्ध उत्पादन का 9 प्रतिशत मध्यप्रदेश में होता है इसे 20 प्रतिशत तक करना हमारा लक्ष्य है। इसके लिए प्रदेश के गांव-गांव में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर पशुपालकों को पशुओं में नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान, पशुओं के टीकाकरण, स्वास्थ्य रक्षा, संतुलित पशु आहार, पशु पोषण आदि के बारे में तकनीकी और व्यवहारिक जानकारी दी जा रही है। इन सभी प्रयासों से हम मध्यप्रदेश को दुग्ध केपिटल बनायेंगे।

मुझे इस बात का संतोष है कि मध्यप्रदेश सरकार गौ-पालन, गौ-संवर्धन के लिए संकल्पित है। हमने गौ-शालाओं के लिए अनुदान को 20 रुपये प्रति गौ-वंश प्रतिदिन से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गौ-वंश प्रतिदिन किया है। गौ-वंश के भरण-पोषण के लिए दो वर्ष पहले बजट 90 करोड़ रुपये था, जिसे 250 करोड़ रुपये किया गया और अब यह राशि बढ़ाकर 600 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में ग्वालियर में देश की पहली आधुनिक और आत्मनिर्भर गौ-शाला परिसर में कम्प्रेस्ड बायो गैस संयंत्र की स्थापना की गई है। प्रदेश में नवीन गौ-शालाओं का निर्माण, प्रति गाय अनुदान राशि बढ़ाने, गौ-उत्पादकों को प्रोत्साहन, गोबर से सीएनजी निर्मित करने वाले आधुनिक प्लांट की स्थापना तथा नेशनल डेयरी विकास बोर्ड के साथ करार जैसे नवाचार किये गये हैं।

हमारे लिए खुशी की बात है कि मध्यप्रदेश में किसानों और पशुपालकों को लाभान्वित करने के लिये 2900 गौ-शालाएं हैं। मुख्यमंत्री गौ-सेवा योजना के अंतर्गत 2203 गौ-शालाओंका संचालन हो रहा है। विगत एक वर्ष में एक हजार से अधिक नवीन गौ-शालाएं प्रारंभ की गई हैं। गौ-वंश के आश्रय एवं भरण-पोषण के लिए नगर पालिक निगम ग्वालियर, उज्जैन और इंदौर में गौ-शालाएं खोली गई हैं। भोपाल में 69.18 एकड़ भूमि पर 10 हजार गौ-वंश क्षमता की गौ-शाला का निर्माण किया जा रहा है। गौ-अभयारण्य अनुसंधान एवं उत्पादन केन्द्र, सालरिया, जिला आगर-मालवा में वर्तमान में 6500 गौ-वंश का पालन-पोषण किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में गौ-वंश का संवर्धन दुग्ध उत्पादन से रोज़गार और स्वरोज़गार का बड़ा स्रोत होगा। महिलाओं की आत्मनिर्भरता में भी दुग्ध व्यवसाय का महत्वपूर्ण योगदान है।

प्रदेश में जिस तरह खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिये किसानों को प्रोत्साहित किया गया और हमारे किसान भाइयों ने उपज का भंडार भर दिया, उसी तरह दुग्ध उत्पादन करने वाले पशुपालकों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इससे प्रदेश में गौ-वंश पालन बढ़ेगा, कृषि की पारंपरिक व्यवस्था को आधार प्राप्त होगा और प्राकृतिक खेती को सहयोग मिलेगा। रसायन रहित पौष्टिक अन्न तथा अन्य वस्तुओं का उत्पादन जहां स्वास्थ्य के लिये लाभदायी होगा, वहीं प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गौ-संवर्धन रोज़गार सृजन के साथ समाज को सांस्कृतिक मजबूती प्रदान करता है और सु-संस्कृत, स्वस्थ और सबल समाज का निर्माण करता है, जिससे सतत और समर्थ अर्थव्यवस्था का विकास संभव है। यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि यहां विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वत की विपुल वन संपदा है।

कर्नाटक सरकार को बड़ा झटका, कोर्ट ने दी प्रियांक खरगे के क्षेत्र में RSS को मार्च करने की अनुमति

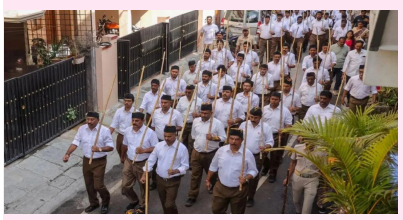

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में आरएसएस के कार्यक्रम को लेकर बीजेपी और सत्तारूढ़ कांग्रेस में बहसबाजी देखने को मिल रहा है। मंत्री प्रियांक खरगे के गृह निर्वाचन क्षेत्र चित्तपुर में अधिकारियों ने शांति और कानून-व्यवस्था भंग होने की संभावना का हवाला देते हुए रविवार को आरएसएस के रूट मार्च की अनुमति देने से इनकार कर दिया। लेकिन कोर्ट ने आरएसएस को रूट मार्च की अनुमति दे दी है।

दरअसल, 19 अक्टूबर 2025 को होने वाले ऋस्स के मार्च की अनुमति नहीं मिलने पर कोर्ट की ओर रूख किया गया। अदालत आरएसएस कलबुर्गी के संयोजक अशोक पाटिल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिन्होंने रविवार को चित्तपुर में मार्च आयोजित करने की अनुमति देने में अधिकारियों की निष्क्रियता को चुनौती दी थी।

कर्नाटक सरकार को झटका- एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एमजीएस कमल ने राज्य सरकार से पूछा कि वह किस प्रकार समायोजन करने और आगे बढ़ने की योजना बना रही है?

जो बेटी दूसरे धर्म में शादी करें, उसकी टांगें तोड़ दो', साध्वी प्रज्ञा सिंह का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भोपाल की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में दिए उनके एक बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने मनमर्जी से दूसरे धर्म में शादी करने वाली लड़कियों को लेकर उनके परिवार वालों को कंट्रोल में रखने की सलाह दी है।

साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने भोपाल में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि यदि उनकी बेटियां उनकी (माता-पिता की) इच्छा के विरुद्ध कार्य करती हैं तो उन्हें शारीरिक दंड दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि माता-पिता को अपनी बेटियों को गैर-हिंदुओं के घर जाने से रोकना चाहिए और अगर वे नहीं मानें तो उनके पैर तोड़ देने चाहिए।

अपने मन को मजबूत करो- सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा, अपने मन को मजबूत करो और इतना मजबूत बनाओ कि अगर हमारी बेटी हमारी बात न माने, किसी गैर-हिंदू के घर जाए, तो उसकी टांगें तोड़ने में कोई कसर न छोड़ें। जो लोग संस्कारों का पालन नहीं करते और अपने माता-पिता की बात नहीं मानते, उन्हें सजा मिलनी ही चाहिए। अगर बच्चों की भलाई के लिए उन्हें मारना भी पड़े, तो पीछे मत हटो। जब माता-पिता ऐसा करते हैं, तो वह अपने बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए करते हैं, उन्हें टुकड़ों में कटकर मरने नहीं देते।

पटाखों की बिक्री और फोड़ने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली में बस एक दिन बाकी है और दिल्ली की हवा में हर साल की तरह गिरावट भी शुरू हो गई है। रविवार को लगातार छठे दिन राष्ट्रीय राजधानी में हवा खराब दर्ज की गई। इन सब के बीच सुप्रीम कोर्ट ने ग्रीन पटाखों पर से बैन हटा दिया है।

हालांकि कोर्ट ने साफ कहा है कि दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखों की बिक्री और फोड़ने की इजाजत टेस्ट केस के आधार पर है और इसे सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। साथ ही पर्यावरण पर निगरानी रखनी है। सीपीसीबी के दैनिक बुलेटिन के अनुसार, शनिवार को 24 घंटे का औसत एक्यूआई 268 था। इससे पहले के दो दिनों में 254 और 245 रीडिंग दर्ज की गई थी।

ट्रंप को पसंद नहीं भारत रूस से तेल खरीदे, क्या इंडिया कच्चे तेल के आयात को कम कर सकता है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप भारत को लेकर कई तरह के दावा करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने दावा किया था कि पीएम मोदी से यह आश्वासन मिलने का दावा किया है कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद कर देगा। हालांकि, इस मुद्दे पर किसी भी तरह के बातचीत से विदेश मंत्रालय ने इंकार कर दिया है। लेकिन क्या ऐसा करना भारत के लिए आसान है? दरअसल, रूसी कच्चे तेल के आयात को रोकना कहना जितना आसान है, करना उतना आसान नहीं है। क्योंकि, भारत को पहले से ही अमेरिका द्वारा लगाए गए 50त्न टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें से 25त्न रूस से कच्चे तेल के आयात पर दंडात्मक टैरिफ है।

पीटीआई के एक विश्लेषण के अनुसार, रूसी तेल पर महत्वपूर्ण निर्भरता, जो वर्तमान में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों के उत्पादन के लिए भारतीय रिफाइनरियों में संसाधित कुल कच्चे तेल का एक-तिहाई से भी अधिक है। इसको अचानक समाप्त नहीं किया जा सकता। वर्तमान में सबसे व्यावहारिक विकल्प आयात में धीरे-धीरे कमी लाना है। हम भारत के तेल व्यापार, रूसी कच्चे तेल पर निर्भरता और इसके विकल्पों पर एक नजर डालते हैं।

भारत तीसरा सबसे बड़ा आयातक- गौरतलब है कि भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता देश है। इसलिए भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को पूरा करने के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर करता है।

सूचना

दीपावली पर्व के चलते 20 अक्टूबर को हिन्दकुश कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 22 अक्टूबर को प्रकाशित किया जाएगा।

... संपादक

चीन का अजब-गजब किस्सा: करोड़ों की लॉटरी लगने पर पति ने किया ऐसा काम कि पत्नी ने मांग लिया तलाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के देझाऊ का रहने वाला एक व्यक्ति अचानक इंटरनेट पर सुर्खियां बटोर रहा है। 2024 में उसकी 10.17 मिलियन युआन (लगभग 1.4 मिलियन डॉलर यानी 12.65 करोड़ रुपये) की लॉटरी लगी। लॉटरी में इतनी बड़ी धनराशि जीतने के बाद वो पूरे चीन में रातोंरात मशहूर हो गया। हालांकि, अचानक मिले पैसों का नशा उसके सिर पर इस कदर चढ़ा कि अब पत्नी के साथ तलाक की नौबत आ चुकी है।

इस व्यक्ति ने लॉटरी के ज्यादातर पैसों को जुआ खेलने, सट्टाबजारी और लाइव स्ट्रीमर्स को टिप देने में खर्च कर दिए। वहीं, अब उसकी पत्नी ने कोर्ट में तलाक की अर्जी डाली है। यह मामला सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है।

लॉटरी जीतने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी गई है। उसकी पत्नी का सरनेम युआन है। लॉटरी लगने के बाद उसने अपनी पत्नी को बैंक का एक कार्ड दिया, जिसमें 30 लाख युआन (लगभग 420,000 अमेरिकी डॉलर यानी 3.7 करोड़ रुपये) थे। पत्नी ने पति पर भरोसा करते हुए कार्ड को अलमारी के लॉकर में रख दिया।

पति ने उड़ाए पैसे- लॉटरी लगने के बाद व्यक्ति का बर्ताव दिन-ब-दिन बदलने लगा। वो पूरा दिन जुआ खेलने लगा और महिला लाइव स्ट्रीमर्स को लाखों रुपये की टिप देने लगा। उसने एक महिला स्ट्रीमर को 12 लाख युआन (लगभग 168,000 अमेरिकी डॉलर यानी 20.87 लाख रुपये) की टिप दी थी। यही नहीं, इसी साल जुलाई में वो एक महिला स्ट्रीमर के साथ 4 दिन की विदेश ट्रिप पर भी गया था।

उसकी पत्नी ने जब पति का फोन देखा, तो उसमें वो महिला स्ट्रीमर से हनी कहकर बात कर रहा था और खुद को उसका %हबी% बताया था। यह सब देखने के बाद महिला का गुस्सा फूट पड़ा और उसने अदालत में तलाक की अर्जी डाल दी। वहीं, जब उसने दराज में रखा बैंक कार्ड चेक किया, तो वो भी खाली था। उसमें बिल्कुल पैसे नहीं थे। यह मामला सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग काफी नाराज हैं। उनका कहना है कि लॉटरी सिस्टम से रातोंरात किसी को अमीर बनाने का यह बुरा असर भी हो सकता है कि व्यक्ति की शादी तक टूट जाए।

पाकिस्तान का साथ देने का अंजाम भुगत रहा तुर्किए-अजरबैजान, भारतीय सैलानियों ने कुछ ऐसे दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर और मई में पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य तनाव के बाद भारतीय पर्यटकों ने तुर्किए और अजरबैजान की यात्रा से मुंह मोड़ लिया है। दोनों देशों ने इस दौरान पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया। अब भारतीय सैलानी इन देशों के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मई के बाद इन देशों में भारतीय पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अजरबैजान में मई से अगस्त के बीच भारतीय पर्यटकों की संख्या में 56 फीसदी की कमी आई, जबकि तुर्किए में यह गिरावट 33.3 फीसदी रही। यह दोनों देश हाल के वर्षों में भारतीय यात्रियों के बीच लोकप्रिय हो रहे थे, लेकिन अब स्थिति उलट गई है।

पाकिस्तान समर्थन के बाद तुर्किए-अजरबैजान के खिलाफ बदला माहौल- अजरबैजान ने मई में पाकिस्तान के रुख का समर्थन किया, जबकि तुर्किए ने पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग में इस्लामाबाद का साथ दिया था। गौरतलब है कि तुर्किए ने अतीत में पाकिस्तान को हथियार भी मुहैया कराए हैं।

इस वजह से भारतीय यात्रियों में इन देशों के प्रति नाराजगी बढ़ी। अजरबैजान टूरिज्म बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-अप्रैल में भारतीय पर्यटकों की संख्या में 33 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई थी, लेकिन मई-अगस्त में यह 56 फीसदी तक गिर गई।

जल्दी करो, एयर चाइना की फ्लाइट के केबिन में लगी आग, यात्रियों में मचा हाहाकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हांग्जो से सियोल जा रही एयर चाइना की एक फ्लाइट की शनिवार को शंघाई में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। फ्लाइट के केबिन के अंदर लीथियम बैटरी में आग लग गई।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में, एयर चाइना ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा, 18 अक्टूबर को, हांग्जो से इंचियोन जा रही फ्लाइट CA139 में, ओवरहेड कम्पार्टमेंट में रखे एक यात्री के कैरी-ऑन सामान में लिथियम बैटरी में अचानक आग लग गई।

बिना किसी प्लान के करानी पड़ी लैंडिंग- एयरलाइन ने कहा कि क्रू ने हालात को कंट्रोल करने के लिए तेजी से काम किया और कोई घायल नहीं हुआ। एयर चाइना ने आगे कहा, फ्लाइट की सुरक्षा पक्का करने के लिए, प्लेन को शंघाई पुडोंग इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बिना किसी प्लान के लैंडिंग करनी पड़ी।

बयान के अनुसार, फ्लाइट ष्ट139 ने सुबह 9ः47 बजे उड़ान भरी और इसे दोपहर 12ः20 बजे इंचियोन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड करना था। घटना का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे कथित तौर पर एक पैसेंजर ने बनाया है। इसमें पैसेंजर और क्रू एक ओवरहेड कम्पार्टमेंट में दिख रही आग को बुझाने की कोशिश कर रहे हैं।

नया विजय स्मारक बनाना चाहते हैं ट्रंप, अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर क्या है राष्ट्रपति का प्लान?

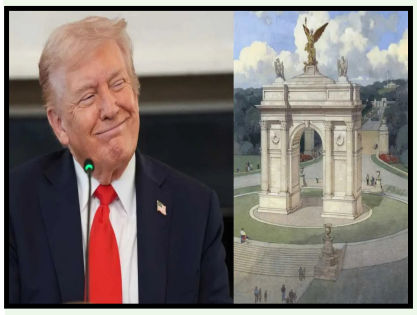

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले वर्ष अमेरिका का 250वां स्वतंत्रता दिवस पर मनाने के लिए लिंकन मेमोरियल के पास वाशिंगटन में नया विजय स्मारक बनाना चाहते हैं। ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में अपने एक और पसंदीदा प्रोजेक्ट नए व्हाइट हाउस बालरूम के लिए आयोजित फंड जुटाने वाले रात्रिभोज में प्रस्तावित माडल दिखाए, जो कुछ-कुछ पेरिस के आर्क डी ट्रायम्फ जैसा दिखता है। यह स्मारक पोटोमैक नदी के वर्जीनिया की ओर अर्लिंग्टन मेमोरियल ब्रिज के अंत में मेमोरियल सर्किल पर बनाया जाएगा।

मेमोरियल की डिजाइन पर बना सस्पेंस- व्हाइट हाउस ने स्मारक के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि डिजाइन को राष्ट्रीय राजधानी योजना आयोग द्वारा अनुमोदित किया गया था या नहीं? बता दें कि राष्ट्रीय राजधानी योजना आयोग, संघीय स्मारकों के डिजाइनों की समीक्षा करता है। सरकारी बंदी के कारण आयोग बंद हो गया है।

पेरिस के लूवर म्यूजियम में आभूषणों की चोरी से हड़कंप, पर्यटकों को बाहर निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस में स्थित लूवर संग्रहालय को चोरों ने निशाना बनाया है और म्यूजियम में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। इस घटना के बाद म्यूजियम को एक दिन के लिए बंद किया गया है। इस चोरी की सूचना एक फ्रांसीसी मंत्री ने दी थी।

बताया जा रहा है कि चोरों ने म्यूजियम से आभूषणों की चोरी की है। इस संग्रहालय में मोना लिसा पेंटिंग सहित दुनिया की कुछ सबसे प्रतिष्ठित एतिहासिक कलाकृकियां मौजूद हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, इस चोरी की घटना में संग्रहालय से विश्व प्रसिद्ध आभूषणों की चोरी हुई है। हालांकि, लूवर म्यूजियम ने अचानक बंद होने के लिए असाधारण कारणों का हवाला दिया है। बता दें, फ्रांस की संस्कृति मंत्री रचिदा दाती ने आज सुबह सबसे पहले संग्रहालय में हुई चोरी की सूचना दी।

सिर्फ आभूषणों की हुई चोरी- उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में कर कहा, आज सुबह लूवर संग्रहालय के उद्घाटन के समय डकैती हुई। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मैं संग्रहालय के कर्मचारियों और पुलिस के साथ मौके पर हूं।

स्थानीय समाचार एजेंसी,स्नक्क ने अज्ञात सूत्रों के हवाले से बताया कि लुटेरे संग्रहालय से आभूषण लेकर भाग गए। एजेंसी ने मंत्री की टीम के एक सदस्य के हवाले से यह भी बताया कि कम से कम एक व्यक्ति संग्रहालय में घुसा था। हालांकि, उन्होंने किसी डकैती का जिक्र नहीं किया।

पाकिस्तान में 15 साल की लापता मूक-बधिर लड़की का पहले कराया धर्म परिवर्तन, फिर ड्रग डीलर से करा दी शादी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में लापता जन्म से बहरी और गूंगी 15 साल की हिंदू लड़की मिल गई है। एक हफ्ते से ज्यादा समय से लापता ये लड़की अब मीडिया के सामने आई है। उसने इस्लाम कबूल कर लिया और इसका सर्टिफिकेट भी उसके पास है। कहा जा रहा है कि उसने अपने से बड़े मुस्लिम आदमी से शादी कर ली है।

बादिन जिले के कोरवाह शहर की लड़की करीब नौ दिन पहले लापता हो गई थी। उसके माता-पिता ने स्थानीय पुलिस को अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। शनिवार को वह अपने कथित पति के साथ बादिन प्रेस क्लब में मीडिया के सामने आई, जहां धर्म बदलने का सर्टिफिकेट पकड़े हुए उनकी तस्वीरें ली गईं।

पिता ने इस बात जताई आपत्ति

उसके पिता ने सवाल किया कि एक बहरी और गूंगी नाबालिग लड़की ऐसे आदमी से शादी करने के लिए कैसे मान गई जो ड्रग डीलर है और जिसकी पहले से ही सात बेटियां हैं। हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की भलाई और अधिकारों के लिए काम करने वाले संगठन, दरावर इत्तेहाद पाकिस्तान के प्रमुख शिवा कच्छी ने कहा कि लड़की को किडनैप कर लिया गया था, लेकिन परिवार की शिकायत के बावजूद पुलिस ने कोई एक्शन नहीं लिया।

घटना की निष्पक्ष जांच कराने की मांग- कच्छी ने कहा, हमने अपने वकीलों से केस आगे बढ़ाने के लिए कहा है, क्योंकि हमें नहीं लगता कि लड़की ने अपनी मर्जी से ऐसा किया होगा।

हम गिरने वाले हैं, अचानक रुक गई राइड और 100 फीट ऊपर हवा में लटकी दर्जनों पैसेंजर्स की सांसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नॉर्थ कैरोलिना स्टेट फेयर में तकनीकी खराबी की वजह से एक राइड अचानक रुक गई, जिससे दर्जनों पैसेंजर लगभग 100 फीट हवा में लटक गए। पीपल की रिपोर्ट के मुताबिक, लो-वोल्टेज की दिक्कत की वजह से वर्टिगो राइड में खराबी आ गई, जिससे लोग हवा में ही फंस गए।

राइड का सेफ्टी सिस्टम डिजाइन के अनुसार काम कर रहा था, पैसेंजर की सेफ्टी पक्की करने के लिए लो-वोल्टेज फॉल्ट के कारण यह अपने आप रुक गया। स्टाफ और इमरजेंसी क्रू के दखल के बाद सभी पैसेंजर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

नॉर्थ कैरोलिना डिपार्टमेंट ऑफ लेबर के कम्युनिकेशंस डायरेक्टर ने आगे कहा, राइड कंट्रोल होकर रुकी, जिससे सभी यात्रियों को सुरक्षित और समय पर निकाला जा सका। किसी को कोई खतरा नहीं था। वॉ ने कहा कि सावधानी ठीक वैसे ही बरती गई जैसा सोचा गया था।

घटना के वीडियो में परेशान पैसेंजर राइड के पीक पर फंसे हुए दिख रहे थे, जहां से मेले का नजारा दिख रहा था। राइडर हन्नाह नोरिस ने अपना डरावना अनुभव शेयर किया। उन्होंने माना कि उन्हें लगा कि वे गिर जाएंगे और वो अपने बेटे की सुरक्षा की प्रार्थना कर रहे थे।

यात्रियों का कहना था, हमारे दिमाग में सिर्फ एक ही बात आ रही थी कि हम गिरने वाले हैं। हम बस प्रार्थना कर रहे थे। हमने और बच्चों ने बस प्रार्थना करना शुरू कर दिया।

मोहम भागवत ने दिया बड़ा बयान, कहा- भारतीयों ने विश्व को ज्ञान दिया, पर किसी पर अधिकार नहीं जमाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारतीयों को अपनी सोच और शिक्षा को विदेशी प्रभाव से मुक्त कर भारतीय ज्ञान परंपरा को समझना होगा। मुंबई में आर्य युग ग्रंथ के विमोचन कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि हम सबने मैकाले शिक्षा प्रणाली के तहत पढ़ाई की, जिससे हमारा विचार भारतीय होते हुए भी विदेशी हो गया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक हम इस मानसिक गुलामी से पूरी तरह मुक्त नहीं होंगे, तब तक अपनी परंपरागत ज्ञान प्रणाली का मूल महत्व नहीं समझ पाएंगे।भागवत ने कहा कि प्राचीन भारत में शिक्षा का आधार राष्ट्र और मानवकल्याण था, जबकि वर्तमान शिक्षा केवल भौतिक सफलता तक सीमित है।

भागवत ने की पुरानी संस्कृति और परंपरा की बात- उन्होंने आधुनिक विज्ञान का उदाहरण देते हुए कहा कि इंद्रियों से दिखाई देने वाली दुनिया वास्तविक सत्य नहीं होती, उसे समझने के लिए हमें मस्तिष्क से आगे बढ़कर आध्यात्मिक चेतना को अपनाना होगा। प्रेट्र के मुताबिक, भागवत ने कहा कि भारत के प्राचीन ऋषि-मुनियों और ज्ञानियों ने मेक्सिको से साइबेरिया तक की यात्राएं कीं और विज्ञान, संस्कृति व आध्यात्मिक ज्ञान का प्रचार किया, लेकिन कभी किसी देश पर कब्जा नहीं किया और न ही धर्म परिवर्तन कराया।

भागवत ने कहा, हमारी परंपरा सद्भाव और एकता का संदेश देती है। हमने दुनिया को जोड़ने का काम किया, तोड़ने का नहीं।उन्होंने यह भी कहा कि इतिहास में कई आक्रमणकारियों ने भारत को लूटा और गुलाम बनाया, लेकिन सबसे बड़ी क्षति तब हुई जब भारतीयों के मन और आत्मविश्वास को गुलाम बनाया गया।

केरल में सांप-कुत्ते की चौंकाने वाली लड़ाई- मालकिन को बचाने कोबरा से भिड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपने सांप और नेवले की लड़ाई के बारे में सुना होगा, लेकिन क्या आपने कभी कुत्ते और सांप की लड़ाई देखी है। जी हां, सांप भी ऐसा वैसा नहीं जहरीला कोबरा। केरल में ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहां मालकिन की जान बचाने के लिए कुत्ता एक कोबरा सांप से भिड़ गया। सांप और कुत्ते की इस लड़ाई में कुत्ते ने सांप को मार गिराया, लेकिन कुत्ता भी बुरी तरह से जख्मी हो गया था। सांप ने कुत्ते को कई जगहों पर डसा, जिससे उसका जहर कुत्ते के शरीर में फैल गया। यह मामला केरल के अलप्पुझा का है। सुभाष कृष्ण अपनी पत्नी और पालतू कुत्ते रॉकी के साथ रहते हैं। मंगलवार की दोपहर सुभाष किसी काम से बाहर गए थे, तभी घर में कोबरा सांप घुस आया। उनकी घर में काम कर रही थीं। सांप को आंगन में देखकर रॉकी फौरन चौकन्ना हो गया और सांप के आगे जाकर खड़ा हो गया।

बस फिर क्या था, दोनों एक-दूसरे से भिड़ गए। रॉकी सांप पर भारी पड़ा। रॉकी ने सांप को मार गिराया, लेकिन कोबरा के डसने से वो भी अचेत होकर आंगन में गिर गया। शोर शराबा सुनकर जब कृष्णा की पत्नी कमरे से बाहर आई, तो उन्होंने देखा सांप मरा पड़ा और रॉकी भी बेहोश हो गया था।

पूर्व भाजपा विधायक के आवास के पास मिले जले हुए वोटर रिकॉर्ड, वोट चोरी की जांच तेज

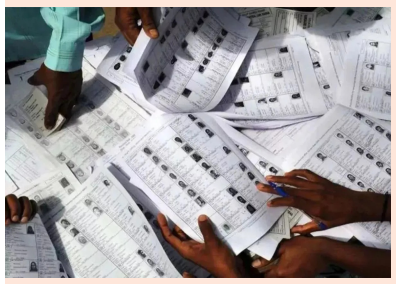

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में पूर्व भाजपा विधायक सुभाष गुट्टेदार के आवास के पास शनिवार को जले हुए मतदाता रिकॉर्ड के ढेर मिले। विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान अलंद विधानसभा क्षेत्र में कथित वोट चोरी की जांच तेज कर दी है।

गुट्टेदार ने कहा कि जले हुए मतदाता रिकॉर्ड में कुछ भी संदिग्ध नहीं है। उन्होंने कहा, त्योहार से पहले सफाई अभियान के तहत, हमारे कर्मचारियों ने इसे बाहर फेंक दिया और जला दिया। अगर हमारा दुर्भावनापूर्ण इरादा होता, तो हम इसे अपने घर से दूर जलाते। इसके पीछे कोई छिपी हुई मंशा नहीं थी।

एसआईटी का हुआ था गठन- सूत्रों ने बताया कि एसआईटी ने शुक्रवार को गुट्टेदार, उनके बेटों और एक चार्टर्ड अकाउंटेंट से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा बड़े पैमाने पर वोट चोरी का आरोप लगाने के बाद एसआईटी का गठन किया गया था।

राहुल ने अपने दावे के समर्थन में 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान अलंद निर्वाचन क्षेत्र का हवाला दिया था। कांग्रेस का दावा है कि धोखाधड़ी का समय पर पता चलने से उनके उम्मीदवार बीआर पाटिल की जीत हुई और भाजपा उम्मीदवार सुभाष गुट्टेदार चुनाव हारे।

सूरत के बिजनेसमैन पिता ने बर्थडे पार्टी में मंगवाई शराब, रेड पड़ी तो बेटे ने पुलिस पर कर दिया हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ड्राई स्टेट गुजरात में बेटे ने अपने पिता के जन्मदिन के मौके पर शराब की पार्टी रखी लेकिन पुलिस ने होटल के बाहर ही शराब जब्त कर ली और बिजनेसमैन पिता समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

अलथान के केएस अवतार होटल में गुरुवार को बिजनेसमैन समीर शाह का जन्मदिन मनाने के लिए पार्टी रखी गई थी। जश्न के दौरान, समीर के 19 साल के बेटे ने पास में खड़ी एक गाड़ी में कुछ और लोगों के साथ शराब पीना शुरू कर दिया। जब पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और शराब पीते हुए लोगों का वीडियो बनाने की कोशिश की तो वह लड़का गाड़ी से बाहर निकला और बदतमीजी करने लगा।

इस घटना का एक वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें वह लड़का पुलिसवालों को धक्का दे रहा है और उनके साथ हाथापाई कर रहा है। जब पुलिस ने लड़के को काबू में किया तो उसके पिता उन्हें शांत करने के लिए मौके पर पहुंचे। उसने कथित तौर पर पुलिस को ऊपर तक पहुंच की धमकी भी दी। इसी समय दो महिलाएं मौके पर पहुंचीं और पुलिस से बिजनेसमैन के बेटे को छोड़ने की रिक्वेस्ट की और कहा कि वह बच्चा है।

पुलिस ने क्या कहा- पुलिस ने बताया कि गाड़ी से शराब की नौ कैन, सात मोबाइल फोन और कैश बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि सामान और कार को जब्त कर लिया गया है। ज़ोन 4 की डीसीपी निधि ठाकुर ने कहा, दो केस दर्ज किए गए हैं - एक गाड़ी से शराब मिलने से जुड़ा है और दूसरा पुलिस पर हमले से जुड़ा है। शराब सप्लाई करने वाले आदमी को गिरफ्तार कर लिया गया है। समीर को भी गिरफ्तार कर लिया गया क्योंकि डिलीवरी मैन ने कहा कि उसने बिजनेसमैन के कहने पर काम किया था।

दीवाली-छठ से पहले रेलवे स्टेशन पर 12 घंटे तक लाइन, 5 गुना तक बढ़ गया बस का किराया...

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली और छठ पूजा का त्योहारी सीजन के पहले रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों पर पैर रखने की जगह नहीं बची है। टिकट के लिए मारामारी है और बसों के किराए आसमान छू रहे हैं।

आलम ये हैं कि लोग घंटो तक लंबी-लंबी लाइनों में लगकर अपने-अपने शहरों के लिए ट्रेन पकड़ रहे हैं। बसों के किराए में तो 5 गुना इजाफा देखा गया। टिकट महंगे होने के बावजूद उपलब्धता कम होने से यात्रियों को घंटों इंतजार व मारामारी का सामना करना पड़ रहा है।

दीवाली से पहले दिल्ली से लेकर मुंबई और सूरत से लेकर भोपाल तक रेलवे स्टेशन पर 12-12 घंटे तक लोग लाइनों में लगे रहे। मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनल पर सिर्फ शनिवार को 1 लाख 75 हजार यात्री स्टेशन पहुंचे थे। रेल मंत्री ने बताया कि इनमें 75 हजार नॉन-रिजर्व यात्री हैं।

ऐसे में सेंट्रल रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए कमर कस ली है। 1,702 स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया गया है, ताकि लोग अपने परिवार के साथ त्योहार मना सकें। यह कदम लाखों यात्रियों के लिए राहत की सांस लेकर आया है।

सेंट्रल रेलवे के सीपीआरओ स्वप्निल नीला ने बताया कि ये ट्रेनें छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, पुणे, कोल्हापुर और नागपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों से शुरू होंगी।

खासतौर पर 800 से ज्यादा ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए चलेंगी। इसके अलावा, देश के अन्य हिस्सों को जोड़ने वाली ट्रेनें भी इस दौरान उपलब्ध रहेंगी।

रेलवे ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। प्रमुख स्टेशनों पर 3,000 से ज्यादा यात्रियों की क्षमता वाले होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, जहां भोजन, पानी, शौचालय और पंखे जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

जैन समुदाय ने एक साथ खरीदीं 186 लक्जरी कारें, ऐसे मिली 21 करोड़ रुपये की भारी छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। धनतेरस की शॉपिंग में कई लोग कार खरीदने के शौकीन होते हैं। वहीं, लक्जरी कारें ज्यादातर लोगों की पहली पसंद होती हैं। मगर, इनकी कीमत भी करोड़ों में होती है। हालांकि, गुजरात में जैन समुदाय के कई लोगों ने इसका भी हल ढूंढ निकाला। सभी ने साथ मिलकर 186 लक्जरी कारें खरीदीं, जिससे उन्हें करोंड़ो का फायदा हुआ है।

गुजरात से संचालित जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) ने सहकारिता और व्यापारिक कौशल का शानदार उदाहरण पेश किया है। उन्होंने बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज समेत देश विदेश की 186 महंगी कारें ग्रुप में खरीदकर 21 करोड़ रुपये बचा लिए हैं।

121 जेसीबी मशीन की खरीद पर 4 करोड़ की छूट- गुजरात के ही एक और समुदाय भरवाड युवा संगठन ने अपने 121 सदस्यों के लिए जेसीबी मशीनों की खरीद की, जिससे चार करोड़ रुपये का लाभ मिला। यह सामूहिक खरीद का माडल समुदाय के लोगों को सीधे लाभ पहुंचाने वाला साबित हुआ।

लक्जरी कारों में कैसे बचाए 21 करोड़ रुपये- जीतो ग्रुप ने 15 विविध ब्रांड के डीलरों से बात कर देशभर में अपने समुदाय के लोगों के लिए 186 कारें एक साथ खरीदने के लिए डील की। इससे उन्हें 21 करोड रुपये की बचत हुई। समाज के लोगों की जरूरत को देखते हुए जीतो ग्रुप के जरिये महंगी कारों के शौकीन लोगों की सूची तैयार की गई तथा इसके बाद अलग-अलग ब्रांड की कारों के डीलरों से बात कर सहकारिता माडल से खरीद की गई।

बता दें कि जीतो ग्रुप जैन समुदाय के लोगों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। जीतो ने अहमदाबाद के अदाणी शांतिग्राम में राष्ट्रीय स्तर के खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया था। इसमें देशभर के जैन समुदाय के प्रतिभागी शामिल हुए थे।

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
jagrayam.com
online news magazine
जागृयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

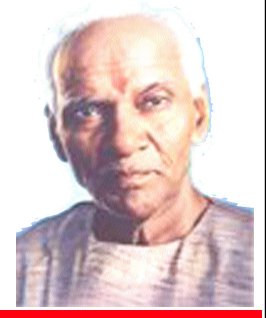

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण चतुर्थदशी

संपादकीय

माता लक्ष्मी शुद्ध निस्वार्थ ईमानदार भावों पर अपनी कृपा दृष्टि ज़रूर बरसाती है...

वैश्विक स्तरपर भारत सहित पूरी दुनियाँ में पौराणिक काल से भारतीयों के बीच ऐसी मान्यता है कि जो मां लक्ष्मी के सामने दिल से भावपूर्ण भाव से अपनी मनोकामना रखेगा मां लक्ष्मी उन शुद्ध निस्वार्थ ईमानदार भावों पर अपनी कृपा दृष्टि ज़रूर बरसाती है औरउनकी दरिद्रता गरीबी हर लेती है,व धन-धान्य की बारिश करती है जिसका सटीक दिन दीपावली और पल या क्षण लक्ष्मी पूजा है।इस बार दीपावली की तारीख को लेकर दुनियाँ भर में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को दीपावली मनाए जाने का विधान है।भारत में अधिकतम राज्यों लोगों द्वारा सोमवार 20 अक्टूबर 2025 को दीपावली मनाई जा रही है अनेक स्कूलों में भी 19 तारीख से ही छुट्टियां घोषित की गई है,जम्मू कश्मीर सरकार ने दिवाली के पावन पर्व पर राज्य के छात्रों,शिक्षकों और कर्मचारियों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए पूरे देश में सबसे अधिक 15 दिन की लंबी छुट्टियों की घोषणा कर दी है। राज्य सरकार ने 19 अक्टूबर से 2 नवंबर तक पूरे दो सप्ताह का दिवाली अवकाश घोषित किया है। यह निर्णय प्रदेश के सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों पर लागू होगा। इस अवधि में प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थान पूरी तरह से बंद रहेंगे और कोई शैक्षणिक गतिविधि नहीं होगी।2025 में यह पर्व पहले से भी अधिक भव्य, आध्यात्मिक और विश्वव्यापी स्वरूप ले चुका है। इस वर्ष भारत के उत्तर प्रदेश में अयोध्या की पावन नगरी में होने वाला दीपोत्सव विश्व का सबसे बड़ा सामूहिक आलोक उत्सव बनने जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, सिंगापुर और खाड़ी देशों में बसे भारतीय समुदायोंने भी दीपावली को विश्व सांस्कृतिक एकता के प्रतीक के रूप में मनाने की तैयारी कर ली है। इस बार का दीप पर्व न केवल घर-आंगन बल्कि विश्व के हृदय को भी रोशन करेगा। साथियों बात अगर कर हम दीपावली पर्व 2025 की बेला आई भक्तों की मन्नतें और मां लक्ष्मी की आराधना को समझने की करें तो,दीपावली का अर्थ ही है,÷अंधकार पर प्रकाश की विजय।यह त्योहार हर उस व्यक्ति के जीवन में नई आशा, विश्वास और समृद्धि का दीप जलाता है जो परिश्रम, श्रद्धा और सकारात्मकता में विश्वास रखता है। 2025 की दीपावली की बेला पर भक्तों ने मां लक्ष्मी से अपनी मन्नतें सुनाई,÷हे मां लक्ष्मी, दरिद्रता, गरीबी और कष्टों को दूर करो, हमारे घरों में धन, ज्ञान और स्वास्थ्य की वर्षा करो÷।इस भावना में केवल भौतिक समृद्धि नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन की भी आकांक्षा निहित है।प्रत्येक घर में माँ लक्ष्मी का स्वागत विशेष भक्ति भाव से किया जाता है,द्वारपर रंगोली, आंगन में दीपमाला और पूजा स्थल पर धूप-दीप का समर्पण। यह वह क्षण होता है जब संपूर्ण वातावरण में एक दिव्य ऊर्जा का संचार होता है, जैसे स्वयं ब्रह्मांड भी भक्तों के आह्वान को सुनकर झिलमिलाने लगता है। साथियों बात अगर हम लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त,कृपा वर्षा का दिव्य क्षण को समझने की करें तो,दीपावली की सबसे प्रमुख संध्या होती है मां लक्ष्मी पूजन की रात्रि, जब पूरा परिवार एकत्र होकर देवी महालक्ष्मी, भगवान विष्णु, गणेश और कुबेर की पूजा-अर्चना करता है।2025 के शुभ मुहूर्त के अनुसार, यह पूजन अत्यंत मंगलकारी संयोग में होगा,जहां ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति धन प्राप्ति, व्यापार उन्नति और सौभाग्य में वृद्धि का संकेत दे रही है।मान्यता है कि लक्ष्मी पूजन के शुभ मुहूर्त में स्वयं देवी लक्ष्मी पृथ्वी पर अवतरित होकर अपने भक्तों पर कृपा दृष्टि बरसाने निकलती हैं। जिन घरों में स्वच्छता, शुद्धता और श्रद्धा का वातावरण होता है, वहां मां की विशेष कृपा बरसती है। कहा जाता है,÷जिस पर लक्ष्मी की नज़र पड़ी,उसकी किस्मतनिहाल हो गई वही कारण है कि इस रात हर घर दीपों से जगमगा उठता है।

दीपावली

दीपावली अथवा दिवाली भारत के प्रमुख त्योहारों में से एक है। त्योहारों का जो वातावरण धनतेरस से प्रारम्भ होता है, वह आज के दिन पूरे चरम पर आता है। दीपावली की रात्रि को घरों तथा दुकानों पर भारी संख्या में दीपक, मोमबत्तियां और बल्ब जलाए जाते हैं। दीपावली भारत के त्योहारों में अपना विशिष्ट स्थान रखती है। इस दिन लक्ष्मी के पूजन का विशेष विधान है। रात्रि के समय प्रत्येक घर में धनधान्य की अधिष्ठात्री देवी महालक्ष्मीजी, विघ्न-विनाशक गणेश जी और विद्या एवं कला की देवी मातेश्वरी सरस्वती देवी की पूजा-आराधना की जाती है। ब्रह्मपुराण के अनुसार कार्तिक अमावस्या की इस अंधेरी रात्रि अर्थात् अर्धरात्रि में महालक्ष्मी स्वयं भूलोक में आती हैं और प्रत्येक सद्गृहस्थ के घर में विचरण करती हैं। जो घर हर प्रकार से स्वच्छ, शुद्ध और सुंदर तरीक़े से सुसज्जित और प्रकाशयुक्त होता है वहां अंश रूप में ठहर जाती हैं। इसलिए इस दिन घर-बाहर को खूब साफ-सुथरा करके सजाया-संवारा जाता है। दीपावली मनाने से लक्ष्मीजी प्रसन्न होकर स्थायी रूप से सद्गृहस्थों के घर निवास करती हैं।

धार्मिक मान्यता- दीपावली के दिन आतिशबाज़ी की प्रथा के पीछे सम्भवत- यह धारणा है कि दीपावली-अमावस्या से पितरों की रात आरम्भ होती है। कहीं वे मार्ग भटक न जाएं, इसलिए उनके लिए प्रकाश की व्यवस्था इस रूप में की जाती है। इस प्रथा का बंगाल में विशेष प्रचलन है।

धर्मग्रंथों के अनुसार कार्तिक अमावस्या को भगवान श्री रामचंद्रजी चौदह वर्ष का वनवास काटकर तथा असुरी वृत्तियों के प्रतीक रावण का संहार करके अयोध्या लौटे थे। तब अयोध्यावासियों ने राम के राज्यारोहण पर दीपमालाएं जलाकर महोत्सव मनाया था। इसीलिए दीपावली हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। यह पर्व अलग-अलग नाम और विधानों से पूरी दुनिया में मनाया जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि इसी दिन अनेक विजयश्री युक्त कार्य हुए हैं। बहुत से शुभ कार्यों का प्रारम्भ भी इसी दिन से माना गया है। इसी दिन उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य का राजतिलक हुआ था। विक्रम संवत का आरम्भ भी इसी दिन से माना जाता है। अत- यह नए वर्ष का प्रथम दिन भी है। आज ही के दिन व्यापारी अपने बही-खाते बदलते हैं तथा लाभ-हानि का ब्यौरा तैयार करते हैं।

धनतेरस एवं छोटी दीवाली- वास्तव में धनतेरस, नरक चतुर्दशी (जिसे छोटी दीवाली भी कहा जाता है) तथा महालक्ष्मी पूजन- इन तीनों पर्वों का मिश्रण है दीपावली। भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है।

इस मान्यतानुसार इस उत्सव में भी सोने, चांदी, सिक्के आदि के रूप में आधिभौतिक लक्ष्मी का आधिदैविक लक्ष्मी से संबंध स्वीकार करके पूजन किया जाता हैं। घरों को दीपमाला आदि से अलंकृत करना इत्यादि कार्य लक्ष्मी के आध्यात्मिक स्वरूप की शोभा को आविर्भूत करने के लिए किए जाते हैं। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना हो जाती है।

लक्ष्मी पूजन- दीपावली पर लक्ष्मीजी का पूजन घरों में ही नहीं, दुकानों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी किया जाता है। कर्मचारियों को पूजन के बाद मिठाई, बर्तन और रुपये आदि भी दिए जाते हैं। दीपावली पर कहीं-कहीं जुआ भी खेला जाता है। इसका प्रधान लक्ष्य वर्ष भर के भाग्य की परीक्षा करना है। इस प्रथा के साथ भगवान शंकर तथा पार्वती के जुआ खेलने के प्रसंग को भी जोड़ा जाता है, जिसमें भगवान शंकर पराजित हो गए थे। धार्मिक दृष्टिकोण से आज के दिन व्रत रखना चाहिए और मध्यरात्रि में लक्ष्मी-पूजन के बाद ही भोजन करना चाहिए। जहां तक व्यावहारिकता का प्रश्न है, तीन देवी-देवों महालक्ष्मी, गणेशजी और सरस्वतीजी के संयुक्त पूजन के बावजूद इस पूजा में त्योहार का उल्लास ही अधिक रहता है। इस दिन प्रदोष काल में पूजन करके जो स्त्री-पुरुष भोजन करते हैं, उनके नेत्र वर्ष भर निर्मल रहते हैं।

इसी रात को ऐन्द्रजालिक तथा अन्य तंत्र-मन्त्र वेत्ता श्मशान में मन्त्रों को जगाकर सुदृढ़ करते हैं। कार्तिक मास की अमावस्या के दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर की तरंग पर सुख से सोते हैं और लक्ष्मी जी भी दैत्य भय से विमुख होकर कमल के उदर में सुख से सोती हैं। इसलिए मनुष्यों को सुख प्राप्ति का उत्सव विधिपूर्वक करना चाहिए।

पूजन की सामग्री- महालक्ष्मी पूजन में केसर, रोली, चावल, पान, सुपारी, फल, फूल, दूध, खील, बताशे, सिंदूर, सूखे मेवे, मिठाई, दही, गंगाजल, धूप, अगरबत्ती, दीपक, रूई तथा कलावा, नारियल और तांबे का कलश चाहिए।

पूजन विधि- लक्ष्मी जी के पूजन के लिए घर की साफ-सफ़ाई करके दीवार को गेरू से पोतकर लक्ष्मी जी का चित्र बनाया जाता है। लक्ष्मीजी का चित्र भी लगाया जा सकता है।

संध्या के समय भोजन में स्वादिष्ट व्यंजन, केला, पापड़ तथा अनेक प्रकार की मिठाइयाँ होनी चाहिए। लक्ष्मी जी के चित्र के सामने एक चौकी रखकर उस पर मौली बांधनी चाहिए।

इस पर गणेश जी की व लक्ष्मी जी की मिट्टी या चांदी की प्रतिमा स्थापित करनी चाहिए तथा उन्हें तिलक करना चाहिए। चौकी पर छ- चौमुखे व 26 छोटे दीपक रखने चाहिए और तेल-बत्ती डालकर जलाना चाहिए। फिर जल, मौली, चावल, फल, गुड़, अबीर, गुलाल, धूप आदि से विधिवत पूजन करना चाहिए।

पूजा पहले पुरुष करें, बाद में स्त्रियां। पूजन करने के बाद एक-एक दीपक घर के कोनों में जलाकर रखें। एक छोटा तथा एक चौमुखा दीपक रखकर लक्ष्मीजी का पूजन करें।

इस पूजन के पश्चात् तिज़ोरी में गणेश जी तथा लक्ष्मी जी की मूर्ति रखकर विधिवत पूजा करें।

अपने व्यापार के स्थान पर बहीखातों की पूजा करें। इसके बाद जितनी श्रद्धा हो घर की बहू-बेटियों को रुपये दें।

लक्ष्मी पूजन रात के समय बारह बजे करना चाहिए।

दुकान की गद्दी की भी विधिपूर्वक पूजा करनी चाहिए।

रात को बारह बजे दीपावली पूजन के बाद चूने या गेरू में रूई भिगोकर चक्की, चूल्हा, सिल-बट्टा तथा सूप पर तिलक करना चाहिए।

रात्रि की ब्रह्मबेला अर्थात् प्रातःकाल चार बजे उठकर स्त्रियां पुराने सूप में कूड़ा रखकर उसे दूर फेंकने के लिए ले जाती हैं तथा सूप पीटकर दरिद्रता भगाती हैं।

सूप पीटने का तात्पर्य है- आज से लक्ष्मीजी का वास हो गया। दुःख दरिद्रता का सर्वनाश हो। फिर घर आकर स्त्रियां कहती हैं- इस घर से दरिद्र चला गया है। हे लक्ष्मी जी! आप निर्भय होकर यहाँ निवास करिए।

दीपदान- दीपावली के दिन दीपकों की पूजा का विशेष महत्व हैं। इसके लिए दो थालों में दीपक रखें। छह चौमुखे दीपक दोनों थालों में रखें। छब्बीस छोटे दीपक भी दोनों थालों में सजायें। इन सब दीपकों को प्रज्जवलित करके जल, रोली, खील बताशे, चावल, गुड़, अबीर, गुलाल, धूप, आदि से पूजन करें और टीका लगावें। व्यापारी लोग दुकान की गद्दी पर गणेश, लक्ष्मी की प्रतिमा रखकर पूजा करें। इसके बाद घर आकर पूजन करें। पहले पुरुष फिर स्त्रियाँ पूजन करें। एक चौमुखा, छह छोटे दीपक गणेश लक्ष्मीजी के पास रख दें। चौमुखा दीपक का काजल सब बड़े बुढे बच्चे अपनी आँखों में डालें।

दीपावली मनाने की प्रचलित धारणाएं- कहा जाता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने राजा बलि को पाताल लोक का स्वामी बनाया था और इन्द्र ने स्वर्ग को सुरक्षित जानकर प्रसन्नतापूर्वक दीपावली मनाई थी।

इसी दिन समुद्र मंथन के समय क्षीरसागर से लक्ष्मीजी प्रकट हुई थीं और भगवान विष्णु को अपना पति स्वीकार किया था।

इस दिन जब श्री रामचंद्र लंका से वापस आए तो उनका राज्यारोहण किया गया था। इस खुशी में अयोध्यावासियों ने घरों में दीपक जलाए थे।

इसी समय कृषकों के घर में नवीन अन्न आते हैं, जिसकी खुशी में दीपक जलाए जाते हैं।

इसी दिन गुप्तवंशीय राजा चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने विक्रम संवत की स्थापना की थी। धर्म, गणित तथा ज्योतिष के दिग्गज विद्वानों को आमन्त्रित कर यह मुहूर्त निकलवाया कि नया संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से मनाया जाए।

भारत नहीं आएंगे तो कहां जाएंगे... 3 महीने की निकासी के बाद वापस आए FPI

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले तीन माह तक लगातार निकासी के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों अक्टूबर में अबतक भारतीय शेयर बाजार में शुद्ध रूप से 6,480 करोड़ रुपये डाले हैं। इसकी मुख्य वजह मजबूत वृहद आर्थिक कारक हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले एफपीआई ने सितंबर में 23,885 करोड़ रुपये, अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले थे।

अक्टूबर में नए सिरे से निवेश धारणा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है और भारतीय बाजारों के प्रति वैश्विक निवेशकों के बीच नए विश्वास को दर्शाता है।इस उलटफेर के पीछे कई प्रमुख कारक हैं। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख, प्रबंधक शोध, हिमांशु श्रीवास्तव के अनुसार, उभरते बाजारों में भारत का वृहद आधार अपेक्षाकृत मजबूत बना हुआ है। स्थिर वृद्धि, प्रबंधन के दायरे में मुद्रास्फीति और जुझारू घरेलू मांग से एफपीआई का भरोसा बढ़ा है।

उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक तरलता की स्थिति धीरे-धीरे सुधर रही है, अमेरिका में दरों में कटौती या कम से कम एक विराम की उम्मीद है। जैसे-जैसे जोखिम उठाने की क्षमता वापस आ रही है, वैसे-वैसे उच्च-लाभ वाले उभरते बाजारों में धन का प्रवाह बढ़ रहा है। इसके अलावा, भारतीय मूल्यांकन, जो दबाव में थे, अब अधिक आकर्षक हो गए हैं, जिससे 'गिरावट' में खरीदारी की रुचि फिर से बढ़ रही है।

इसी तरह की राय व्यक्त करते हुए, जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि एफपीआई की रणनीति में इस बदलाव का मुख्य कारण भारत और अन्य बाजारों के बीच मूल्यांकन के अंतर में कमी है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में भारत के कम प्रदर्शन ने अब बेहतर सापेक्ष प्रदर्शन की संभावनाओं को खोल दिया है।

एंजल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक, वकारजावेद खान ने बताया कि नवीनतम निवेश प्रवाह को अमेरिका और भारत के बीच व्यापार तनाव में कमी से भी प्रेरित कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि 2025 की शुरुआत में देखे गए बिकवाली के दबाव ने भारतीय शेयरों के मूल्यांकन गुणकों को वैश्विक प्रतिस्पर्धियों की तुलना में अधिक आकर्षक बना दिया है।

बंद होने जा रहा भारत का 117 साल पुराना ये ऐतिहासिक Stock Exchange

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सबसे पुराने स्टॉक एक्सचेंज में से एक, कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज इस साल 20 अक्टूबर को संभवत- अपनी आखिरी 'काली पूजा' और 'दिवाली' मनाएगा। एक दशक चली लंबी कानूनी लड़ाई के बाद एक्सचेंज की अपनी मर्जी से कारोबार बंद करने की प्रक्रिया लगभग पूरी होने वाली है।

रेगुलेटरी नियमों का पालन न करने के कारण अप्रैल, 2013 में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सीएसई में कारोबार निलंबित कर दिया था। ऑपरेशन को फिर शुरू करने और अदालतों में सेबी के निर्देशों का विरोध करने के वर्षों के प्रयासों के बाद, एक्सचेंज ने अब कारोबार से हटने और अपने स्टॉक एक्सचेंज लाइसेंस को स्वैच्छिक रूप से वापस देने का फैसला किया है।

शेयर बाजार कारोबार से हटने के मामले में 25 अप्रैल, 2025 की असाधारण आमसभा के जरिए शेयरधारकों से भी मंजूरी ले ली गयी है। इसके बाद सीएसई ने सेबी के पास कारोबार से हटने का आवेदन किया है। नियामक ने स्टॉक एक्सचेंज के वैल्यूएशन के लिए एक मूल्यांकक एजेंसी नियुक्त की है, जिसका काम अभी चल रहा है। सीएसई के चेयरमैन दीपांकर बोस ने कहा कि सेबी द्वारा स्टॉक एक्सचेंज कारोबार के लिए बाहर निकलने की मंजूरी मिलने के बाद सीएसई एक होल्डिंग कंपनी के रूप में कार्य करेगा।

यदि रूस का तेल बंद हुआ तो... ट्रंप के कहने पर क्या भारत सच में रूसी तेल छोड़ देगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनल्ड ट्रंप आए दिन नए-नए दावे करते रहते हैं। इन्ही में से हाल ही में एक दावा किया कि भारत अब रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद कर देगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि इसके लिए उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आश्वासन भी मिला है। लेकिन भारत के विदेश मंत्रालय ने साफ कहा कि उन्हें ऐसी किसी कॉल या बातचीत की जानकारी नहीं है।

अब सवाल ये है कि क्या भारत वास्तव में रूसी तेल छोड़ सकता है? तो चलिए इस जवाब कि पड़ताल आंकड़ों, फैक्ट और जानकारी से करते हैं।

भारत की तेल जरूरतें और रूस का रोल- भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है, और अपनी ज़रूरत का लगभग 87त्न तेल बाहर से खरीदता है। पहले, भारत ज्यादातर तेल मिडिल ईस्ट (इराक, सऊदी अरब, यूएई) से लेता था। लेकिन जब 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ और पश्चिमी देशों ने रूस पर पाबंदियां लगाईं, तब भारत को रूसी तेल सस्ते दामों में मिलने लगा।

कभी रूस 2020 में भारत की कुल तेल खरीद का सिर्फ 1.7% हिस्सा देता था। अब 2024-25 तक वो लगभग 40% तक पहुंच गया है। यानी रूस भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बन गया है।

रूसी तेल क्यों इतना जरूरी है- रूसी तेल भारत के लिए सिर्फ सस्ता नहीं है, बल्कि तकनीकी रूप से भी फायदेमंद है। भारत की रिफाइनरियां (जहां कच्चे तेल से पेट्रोल, डीजल बनता है) इस तरह डिजाइन की गई हैं कि रूसी तेल से ज्यादा मिडिल डिस्टिलेट जैसे डीजल और जेट फ्यूल निकलते हैं।

अगर भारत रूसी तेल बंद कर दे, तो उसे उतना ही ईंधन निकालने के लिए महंगा तेल खरीदना पड़ेगा, जिससे हर साल 3 से 5 अरब डॉलर का अतिरिक्त खर्च होगा।

हर शेयर पर 130 रुपये का Dividend पाने का मौका, इस तारीख से पहले खरीदना होगा ये स्टॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर ने वित्त वर्ष 2026 के लिए 130 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतरिम डिविडेंड की घोषणा की है। कंपनी ने शेयरधारकों को लगभग 819.66 करोड़ रुपये वितरित करने की घोषणा की। डिविडेंड की एक्स-डेट 3 नवंबर 2025 है।

ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज शेयर प्राइस- ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर लिमिटेड (ओएफएसएस) के शेयर 17 अक्टूबर, 2025 को 8,755.0 पर बंद हुए। पिछले एक साल में, इसकी कीमत 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 13,220 (30 दिसंबर, 2024) और 52-सप्ताह के निम्नतम स्तर 7,038 (7 अप्रैल, 2025) के बीच उतार-चढ़ाव करती रही है। 17 अक्टूबर, 2025 तक, शेयर पिछले एक साल की तुलना में 21.58त्न नीचे है।

ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज रिजल्ट- ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर ने दूसरी तिमाही में 7.55 अरब रुपये का EBITDA दर्ज किया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 7.50 अरब रुपये था। यह साल-दर-साल मामूली वृद्धि दर्शाता है, जो कंपनी के मुख्य परिचालनों में स्थिर प्रदर्शन का संकेत देता है।

EBITDA में वृद्धि के बावजूद, कंपनी का EBITDA मार्जिन साल-दर-साल 44.84% से घटकर 42.22त्न हो गया।

निफ्टी 50 ने पार किया 25,700 का आंकड़ा, अब 25,800-26,000 पर रहेगी अड़चन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंचमार्क निफ्टी 50 इंडेक्स ने पिछले हफ्ते एक मजबूत ब्रेकआउट कर लिया। यह अपने मुख्य मंथली रेजिस्टेंस लेवल 25,669.35 (जून 2025) को पार कर गया और 25,700 के ऊपर बंद हुआ, जिससे दलाल स्ट्रीट पर खरीदारी की नई रफ्तार पक्की हो गई।

इंडेक्स सभी जरूरी मूविंग एवरेज से ऊपर कंफर्टेबली ट्रेड कर रहा है, जो मजबूत अंडरलाइंग ट्रेंड की मजबूती को दिखाता है। इंडिकेटर के मामले में, MACD ने एक बुलिश क्रॉसओवर बनाया है, जिसने हाल की तेजी के लिए कैटलिस्ट का काम किया।

इस बीच अब अगला हफ्ता शेयर बाजार के लिए कैसा रहने की उम्मीद है, आइए जानते हैं आनंद राठी ग्रुप के इक्विटी रिसर्च के सीनियर मैनेजर जिगर एस पटेल से...

किस लेवल पर अड़चन- सितंबर 2025 के बॉटम 24,587.70 से, निफ्टी 1,194 पॉइंट्स चढ़ा है, जो बिना किसी खास पुलबैक के, थोड़े समय में 4.86त्न की बढ़त दिखाता है। इस समय, इंडेक्स ओवरएक्सटेंडेड लग रहा है, और अगले 3-4 सेशन में थोड़ी प्रॉफिट-बुकिंग या साइडवेज करेक्शन (गिरावट) से इनकार नहीं किया जा सकता। फौरी सपोर्ट लेवल 25,500-25,400 है, जबकि रेजिस्टेंस (अड़चन) 25,800-26,000 जोन में दिख रहा है।

बैंक निफ्टी के लिए कहां है सपोर्ट- निफ्टी बैंक इंडेक्स ने भी जबरदस्त मोमेंटम दिखाया, जो अब तक के सबसे ऊंचे लेवल पर बंद हुआ और अपने पिछले पीक 57,628.40 (जुलाई 2025) को पार कर गया। इंडेक्स ने सितंबर 2025 के अपने सबसे निचले लेवल 54,226.60 से 3,600 पॉइंट्स (6.65त्न) की तेजी से बढ़त दर्ज की है, जो निफ्टी की तेजी को दिखाता है।

हालांकि, निफ्टी की तरह, बैंक निफ्टी भी ओवरएक्सटेंडेड लग रहा है, जिससे आने वाले सेशन में शॉर्ट-टर्म पुलबैक या कंसोलिडेशन की संभावना बढ़ जाती है। सपोर्ट 57,300 और 57,000 पर हैं, जबकि रेजिस्टेंस 58,000- 58,200 के आसपास दिख रहा है।

निवेशकों को क्या करना चाहिए- कुल मिलाकर, मीडियम-टर्म स्ट्रक्चर बुलिश बना हुआ है, लेकिन इतनी मज़बूत तेज़ी के बाद शॉर्ट-टर्म करेक्टिव फेज़ या रेंज-बाउंड एक्शन मार्केट के लिए हेल्दी है। ट्रेडर्स को नए एंट्री मौकों के लिए सपोर्ट जोन पर कड़ी नज़र रखते हुए, डिप्स पर खरीदने का तरीका अपनाना चाहिए।

कहां होता है ग्रीन पटाखों का सबसे अधिक उत्पादन, सालाना कितने का है कारोबार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली के अवसर पर ग्रीन पटाखे पारंपरिक पटाखों के एक क्लीन विकल्प के तौर पर सामने आए हैं, जिनका मकसद पर्यावरण और सेहत पर पड़ने वाले असर को कम करना है। काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च - नेशनल एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट ने ये इको-फ्रेंडली पटाखे बनाए हैं, जो कम पॉल्यूटेंट निकालते हैं और साउंड और विजुअल इफेक्ट भी एक जैसे बनाए रखते हैं।

ग्रीन क्रैकर्स बेरियम, सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी नुकसानदायक चीजों का एमिशन 30 से 60 फीसदी तक कम करते हैं। मगर भारत में इन पटाखों का सबसे अधिक कारोबार कहां होता है और इनकी सालाना बिक्री कितनी है? आइए बताते हैं।

भारत की पटाखा इंडस्ट्री 6,000 करोड़ रुपये की है। ग्रीन क्रैकर्स को अपनाने से पटाखा इंडस्ट्री में धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है, जिसमें लंबे समय से पारंपरिक प्रोडक्ट्स का दबदबा रहा है। मगर

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

नए पदोन्नति नियम के दायरे में जो अधिकारी-कर्मचारी नहीं आएंगे, उनके उच्च पद का प्रभार होगा समाप्त

भोपाल। पदोन्नति नियम लागू न होने से सरकार ने अधिकारियों-कर्मचारियों को संतुष्ट करने के लिए उच्च पद का प्रभार दिया था। चूंकि, अब पदोन्नति नियम बन चुके हैं और जल्द ही पदोन्नति की प्रक्रिया प्रारंभ होने की संभावना है, इसलिए उच्च पद का प्रभार वापस लेने की तैयारी है। पुलिस मुख्यालय द्वारा उच्च पद का प्रभार न देने के आदेश जारी होने के बाद वन विभाग ने प्रभार देने के आदेश निरस्त कर दिए हैं। साथ ही आगे प्रभार देने पर रोक भी लगा दी है।

वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नए पदोन्नति नियम-2025 के तहत जिन्हें पदोन्नति मिल जाएगी, वे तो यथावत रहेंगे लेकिन जो इसके दायरे में नहीं आएंगे उन

सभी का उच्च पद का प्रभार समाप्त कर दिया जाएगा। विभाग के 7,767 पदों में से 5,094 पद रिक्त हैं। इसमें से ढाई हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी को उच्च पद का प्रभार दिया गया है लेकिन ये सभी पदोन्नत नहीं हो पाएंगे। ऐसे में शेष अधिकारियों से प्रभार वापस ले लिया जाएगा। बता दें, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) और पुलिस मुख्यालय उच्च पद का प्रभार देने पर पहले ही रोक लगा चुके हैं। 2016 से पदोन्नति पर लगी है रोक मध्य प्रदेश में वर्ष 2016 से पदोन्नति पर रोक लगी हुई है। न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन होने के कारण सरकार इस दिशा में आगे कोई निर्णय भी नहीं ले पा रही है। इस बीच सरकार ने नए पदोन्नति नियम-2025 जारी कर दिए, लेकिन सामान्य वर्ग के कर्मचारियों ने इस नियम को भी कोर्ट में चुनौती दे दी, जिसके कारण मामला अभी अटका हुआ है।

एमपी वन प्रशासन-2 अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक कमलिका मोहंता ने कहा कि शासन ने उच्च पद का प्रभार देने पर रोक लगाई है। जो पदोन्नति नियम के दायरे में नहीं आएंगे उनका उच्च पद का प्रभार समाप्त कर दिया जाएगा।

आदिवासियों के आशियाने उजड़े, बाबाओं का सैकड़ों एकड़ पर 'कानूनी' कब्जा!

सतना। वन परिक्षेत्र सिंहपुर में वन विभाग ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हेक्टेयर वनभूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया, लेकिन इस कार्रवाई ने सिस्टम की दोहरी नीति पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। एक ओर जहां गरीब और आदिवासी वर्ग के आशियाने जेसीबी से मिटा दिए गए, वहीं दूसरी ओर इन्हीं जंगलों की सैकड़ों एकड़ भूमि तथाकथित बाबाओं और धार्मिक संस्थाओं को सामुदायिक पट्टों के नाम पर दी जा रही है।

वन विभाग की कार्रवाई भले ही वन भूमि की सुरक्षा के नाम पर की गई हो, लेकिन इसने प्रशासन की प्राथमिकताओं और न्याय की समानता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वन विभाग की टीम में परिक्षेत्र सहायक अंजनी कुमार पटेल, मोतीलाल पटेल, बीट प्रभारी ब्रजेश बागरी, पुष्पेंद्र सिंह, स्थायी कर्मी ब्रदी प्रसाद कुशवाहा, राजू सिंह गोंड समेत सुरक्षा श्रमिक दल शामिल रहा। विभाग ने बताया कि कार्रवाई के बाद भूमि की गहरी खुदाई कर उसे पुनः सुरक्षित किया गया, ताकि भविष्य में दोबारा कब्जा न हो सके। आदिवासियों की बेघर कहानी कार्रवाई के दौरान जिन परिवारों के आशियाने उजड़े, वे अधिकतर आदिवासी और मजदूर वर्ग से ताल्लुक रखते हैं। कई परिवार वर्षों से इसी भूमि पर खेती या झोपड़ी बनाकर जीवन-यापन कर रहे थे। कार्रवाई के बाद अब वे बेघर और बेसहारा हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि गरीबों पर बुलडोज़र चलता है, लेकिन बाबाओं और प्रभावशाली लोगों के कब्जे पर विभाग चुप रहता है।

बाबा और पट्टा संस्कृति पर सवाल सूत्र बताते हैं कि इसी परिक्षेत्र में कुछ धार्मिक संस्थाओं और आश्रमों को सामुदायिक उपयोग के नाम पर 100 से अधिक एकड़ वनभूमि दी गई है। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि ÷वन संरक्षण के नाम पर सरकार दोहरा रवैया अपनाती है एक तरफ आदिवासी परिवारों को हटाया जा रहा है, दूसरी तरफ बाबाओं को वनभूमि पर 'कानूनी कब्जा' दिया जा रहा है।

कार्रवाई का ब्योरा वन परिक्षेत्राधिकारी नितेश कुमार गंगेले के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में बीट शिवराजपुर और मोरा के अतिक्रमण को हटाया गया। शिवराजपुर बीट (कक्ष क्र. पी-265) में कुल 8.00 हेक्टेयर भूमि पर से कब्जा हटाया गया।

सरपंच पति और बेटे की दबंगई का VIDEO वायरल

नरसिंहपुर/तेंदूखेड़ा। नरसिंहपुर जिले के तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के बिलथारी गांव में ग्राम सरपंच के पति और पुत्र की दबंगई का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है, जिसमें सरपंच पति और उनके पुत्र को दीपावली के मौके पर दुकान लगाने वाले एक युवक से अवैध वसूली करते और विरोध करने पर एक वृद्ध महिला ग्राहक के साथ अभद्रता करते देखा जा सकता है।

सार्वजनिक चबूतरे पर कर की मांग-प्राप्त जानकारी के अनुसार, बिलथारी के सरपंच पति जगदीश पटेल और उनके पुत्र गोविंद पटेल ग्राम पंचायत द्वारा निर्मित सार्वजनिक चबूतरे का उपयोग कर रहे दुकानदारों को परेशान कर रहे थे। वायरल वीडियो में दोनों को दीपावली के त्यौहार पर बर्तन की दुकान लगाने वाले एक युवक से कर के रूप में ग्यारह सौ रुपये की वसूली की मांग करते हुए साफ तौर पर देखा जा सकता है। उनकी यह मांग पूरी तरह से मनमानी और नियम विरुद्ध थी। विरोध करने पर महिला से अभद्रता

मामले ने तब और तूल पकड़ा, जब दुकान पर मौजूद एक वृद्ध महिला ग्राहक ने सरपंच पति और पुत्र को गाली-गलौज करने से मना किया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि महिला द्वारा शांति बनाए रखने की अपील पर, दोनों ने उस वृद्ध महिला से ही अभद्रता शुरू कर दी।

जब महिला ने उन्हें गाली न देने के लिए कहा, तो सरपंच पति जगदीश पटेल ने दबंगई दिखाते हुए जवाब दिया, ÷तेरे बाप ने नहीं बनवाया यह चबूतरा। यह अपमानजनक और धमकी भरा व्यवहार सार्वजनिक स्थल पर सत्ता के दुरुपयोग को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

थाने में शिकायत दर्ज, जांच शुरू-सरपंच पति और पुत्र के इस कृत्य से आहत होकर, पीड़ित महिला लीलाबाई ने अपने बेटे जीवनलाल के साथ तत्काल तेंदूखेड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी सौरभ पटेल ने इस संबंध में बताया कि उन्हें बिलथारी गांव से शिकायत प्राप्त हुई है। उन्होंने पुष्टि की कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच जारी है और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण की कवायद, बनाया गया हेल्प डेस्क, नई ट्रेनें भी चलेंगी

ग्वालियर। रेलवे ने त्योहार पर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष तैयारियां कर ली हैं। झांसी मंडल की ओर से नियमित ट्रेनों के अलावा अतिरिक्त ट्रेनें चलाई गई हैं। दिवाली और छठ पर्व पर यात्रियों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए हेल्प डेस्क बनाई गई है। इस हेल्प डेस्क पर यात्रियों को यात्रा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा 139 हेल्पलाइन पर सहायता मांगे जाने पर टीटीई, मेडिकल किट या डॉक्टर की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे यात्रियों को तुरंत चिकित्सा सेवा मिल सके। वहीं स्टेशन पर अतिरिक्त टिकट काउंटर भी खोले गए हैं।

अब ट्रेनों में त्योहार को लेकर बढ़ गई है भीड़

बाहरी शहरों में रहकर नौकरी या पढ़ाई कर रहे लोग अब बड़ी संख्या में ट्रेनों के माध्यम से त्योहार मनाने के लिए ग्वालियर आ रहे हैं। इसके अलावा ग्वालियर से भी लोग बड़ी संख्या में बाहरी शहरों को जा रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि स्टेशन पर वर्तमान में यात्रियों के आवागमन की तादाद दोगुना हो गई है। स्टेशन पर हर दिन लगभग 50 हजार यात्रियों का फुटफाल सामान्य दिनों में होता है, जो अब बढ़कर 80 से 90 हजार तक पहुंच गया है। दूसरी तरफ स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य के कारण भी थोड़ी असुविधा हो रही है।

इसके चलते रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को देखते हुए हेल्प डेस्क स्थापित की है। इसके अलावा रेलवे की ओर से इंटरनेट मीडिया के माध्यम से ट्रेनों की जानकारी लगातार शेयर की जा रही है।

विस्तार के साथ ही नई ट्रेनें भी चलाईं

दीपावली तथा छठ पूजा को लेकर आगरा रेल मंडल ने एक और कदम उठाया है। नई दिल्ली से आगरा के बीच चलने वाली नियमित इंटरसिटी ट्रेन का विस्तार ग्वालियर तक किया गया है। इसके अलावा वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से आगरा तक चलने वाली मेमू ट्रेन का विस्तार मथुरा तक कर दिया गया है। 30 अक्टूबर तक इन ट्रेनों का संचालन इसी प्रकार किया जाएगा। इसके अलावा शनिवार को रानी कमलापति से हजरत निजामुद्दीन के बीच भी स्पेशल ट्रेन का संचालन किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था भी सख्त, ट्रैक पर बढ़ाई गश्त

त्योहार के समय पर किसी तरह की अव्यवस्था न फैले, इसके लिए मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार ने व्यवस्थाओं की कमान अपने हाथों में ले ली है। साथ ही सभी कर्मियों की ड्यूटी का समय बढ़ा दिया है। यात्रियों की भीड़ का नियंत्रित करने के लिए स्टेशन पर आरपीएफ की एक कंपनी तैनात की जा रही है। इसके अलावा सभी वाणिज्य कर्मियों की छुट्टी रद कर दीपावली ड्यूटी पर लगाया गया है। डीआरएम अनिरुद्ध कुमार ने बताया कि सुरक्षा बलों की छुट्टियां रद कर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम बनाई गई हैं, जो ट्रेन और स्टेशन पर कड़ी निगरानी करेंगी।

प्रसिद्ध भजन गायक श्री सुधीर व्यास का अमन अक्षर द्वारा लिखित भजन खींच रहे हैं राम गाड़ी जीवन की रिलीज़

इंदौर। विश्व प्रसिद्ध भजन गायक श्री सुधीर व्यास के नए भजन ÷खींच रहे हैं राम गाड़ी अपने जीवन की का विमोचन धनतेरस की संध्या को सम्पन्न हुआ। इस गीत को विख्यात भजन गायक श्री अमन अक्षर ने लिखा है। स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. द्वारा आयोजित समारोह में श्री व्यास एवं श्री अमन अक्षर ने नए भजन के विषय में जानकारी दी।

ये चमक ये दमक भजन के माध्यम से विश्व कीर्तिमान बना चुके श्री सुधीर व्यास आज देश के सबसे लोकप्रिय भजन गायकों में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि श्री धाम सरकार के गुरु महाराज का आशीर्वाद भी इस भजन में शामिल था जिन्होंने भजन के रिलीज़ से पूर्व ही उसके सौ मिलियन व्यूज़ की भविष्यवाणी कर दी थी। आज उस भजन के 243 मिलियन व्यूज़ हो चुके हैं। श्री व्यास ने नए भजन के संदर्भ में बताया कि श्री अमन अक्षर द्वारा रचित ये गीत हम सबके जीवन की सच्चाई बताता है।

अपने गीत सारा जग है प्रेरणा, प्रभाव सिर्फ राम है के माध्यम से अपार लोकप्रियता प्राप्त कर चुके कवि श्री अमन अक्षर ने कहा कि खींच रहे हैं राम गीत उनके द्वारा ढाई वर्ष पूर्व रचा गया था, जिसमें उनके द्वारा राम कृपा को महसूस करने के बाद जीवन बदलने के भाव को बताया गया है। उन्होंने कहा कि इस गीत के लिए श्री सुधीर व्यास जी से अधिक पवित्र स्वर हो ही नहीं सकता था। यह भजन पंडित श्री सुधीर व्यास के यूट्यूब पेज पर रविवार, नरक चौदस को सुबह नौ से दस बजे के बीच रिलीज़ होगा।

विमोचन समारोह के प्रथम चरण में स्टेट प्रेस क्लब, मप्र के अध्यक्ष श्री प्रवीण कुमार खारीवाल, सुश्री सोनाली यादव, श्री दीपक माहेश्वरी, श्री संजय मेहता एवं श्री गोविन्द लाहोटी कुमार ने स्वागत कर स्मृति चिन्ह प्रदान किए। विमोचन समारोह का प्रभावी संचालन श्री आलोक बाजपेयी ने किया। अंत में श्री सुधीर व्यास द्वारा मीडियाकर्मियों का सम्मान किया गया।

क्या इंदौर स्क्वॉड फेल हो गई? किन्नर विवाद सुलझाने अब भोपाल से बनेगी नई टीम

इंदौर। इंदौर में किन्नर समाज के दो गुटों के बीच चल रहा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। किन्नर सपना को दूसरे दिन भी जेल में ही रहना पड़ा। इस पूरे मामले में लगातार नए मोड़ सामने आ रहे हैं और अब इसकी आंच भोपाल तक पहुंच गई है, जिसके बाद एक नई एसआईटी (विशेष जांच दल) गठित होने की संभावना जताई जा रही है।

शुक्रवार को किन्नर अखाड़े के महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी कलेक्टर शिवम वर्मा से मिलने पहुंचे। उन्होंने सपना और उनके वकील सचिन सोनकर पर गंभीर आरोप लगाए। त्रिपाठी ने कहा कि दोनों मिलकर उन्हें और उनके अनुयायियों को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। वहीं, वकील सचिन सोनकर ने त्रिपाठी के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया। सोनकर ने कहा कि उन्होंने नंदलालपुरा के किन्नरों के खिलाफ जो भी आरोप लगाए हैं।

नवीन गर्भनिरोधक साधन इंप्लांट का शासकीय प्रकाश चंद सेठी सिविल अस्पताल में सफल प्रयोग

इंदौर। भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार इंदौर जिले में परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत दो नवीन गर्भनिरोधक साधनों इंप्लांट तथा अंतरा एस सी को प्रारंभ किया गया। इन्दौर जिले में नवीन गर्भनिरोधक साधनों इम्प्लान्ट एवं अंतरा एस.सी. के उपयोग हेतु अभिमुखीकरण प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश एवं जिला स्वास्थ्य समिति इन्दौर द्वारा यूएनएफपीए के सहयोग से आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में इन्दौर शहरी क्षेत्र के ब्लॉक अधिकारियों एवं चिकित्सा अधिकारियों ने भाग लिया था।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वास्थ्य कर्मियों को नवीन गर्भनिरोधक साधनों की सेवा प्रदान प्रक्रिया से परिचित कराना तथा परिवार कल्याण कार्यक्रम को और अधिक सुदृढ़ बनाना रहा। इम्प्लांट एक छोटा, लचीला रॉड होता है, केवल 4 से.मी. (डेढ़ इंच) लंबा, जिसमें प्रोजेस्टिन हार्मोन होता है। यह हार्मोन महिलाओं के शरीर में पाए जाने वाले प्राकृतिक हार्मोन जैसा होता है।

इसे प्रशिक्षित प्रदाता द्वारा ऊपरी बांह के भीतरी हिस्से की त्वचा के नीचे लगाया जाता है और यह महिला को 3 साल तक गर्भधारण से सुरक्षित रखता है। महिला जब चाहे, प्रदाता से इसे निकलवा सकती है और तुरंत गर्भधारण कर सकती है। यह बहुत सुविधाजनक तरीका है क्योंकि एक बार लगवाने के बाद महिला को कुछ और करने की आवश्यकता नहीं होती। यह सुरक्षित और अत्यंत प्रभावी गर्भनिरोधक विधि है। यह न तो स्तन के दूध को प्रभावित करता है और न ही नवजात शिशु को, इसलिए प्रसव के तुरंत बाद स्तनपान कराने वाली महिलाएं भी इसे सुरक्षित रूप से उपयोग कर सकती हैं। प्रशिक्षण के उपरांत इंदौर जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में इसका क्रियान्वयन प्रारंभ किया जा चुका है। इसी क्रम में शासकीय प्रकाश चंद सेठी सिविल अस्पताल में डॉ. सारा खान और नर्सिंग स्टाफ की टीम ने प्रथम इंप्लांट गर्भनिरोधक हितग्राही को लगाकर स्वास्थ्य सेवा की क्षेत्र में एक और सफलता प्राप्त की, यह परिवार कल्याण की राह को और आसान बनाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने इस उपलब्धि पर अस्पताल प्रबंधक चिकित्सा अधिकारी और नर्सिंग टीम को बधाई।

दीपावली पर ट्रेन, बसों में यात्रियों की भीड़, कई ट्रेनों की बुकिंग बंद की, हवाई सफर भी महंगा

इंदौर। दीपावली का त्योहार अपने परिवार के साथ मनाने की इच्छा को पूरा करने के लिए लोगों को जेब ढीली करनी पड़ रही है और सफर भी परेशानी भरा हो रहा है। बड़े शहरों की ट्रेनें और बसें खचाखच भरी जा रही हैं। यात्रियों की संख्या ज्यादा होने पर बस ऑपरेटरों ने भी किराया दो-तीन गुना बढ़ा दिया है। ट्रेनों की वेटिंग खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। लोग जैसे-तैसे ट्रेनों में सफर कर अपने शहरों तक हर हाल में पहुँचना चाहते हैं।

इंदौर से मुंबई, पुणे, नासिक, दिल्ली की ट्रेनों में सीट नहीं मिल रही है। लोग मजबूरी में बसों में सफर कर रहे हैं। सामान्य दिनों में जो टिकट ?500 से ?700 में मिलते थे, अभी वे डेढ़ हज़ार रुपये में बिक रहे हैं। एसी स्लीपर बसों का किराया डेढ़ हज़ार से बढ़ाकर तीन या चार हजार तक पहुँच चुका है। बड़े शहरों की उड़ानों का किराया भी दोगुना हो चुका है।

इंदौर में धनतेरस की धूम,बाजारों में बरसा धन, खूब बिके वाहन,इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

इंदौर। दीपावली के पांच दिनी त्यौहार की शुरुआत शनिवार को धनतेरस के साथ हुई। घरों से लेकर बाजारों तक धनतेरस की धूम रही। घरों में धन-धान्य की पूजा हुई और शुभ मुहूर्त में दीप लगाए गए। वहीं बाजारों में रात तक रौनक रही।

शहर में धनतेरस पर तीन सौ करोड़ से ज्यादा का कारोबार हुआ। लोगों ने बाइक, कार, प्लॉट, सोने-चांदी के जेवरों की जमकर खरीदारी की। सप्ताह भर पहले जिन परिवारों ने वाहन, इलेक्ट्रॉनिक आयटम की बुकिंग की है। वे धनतेरस पर घर लाई गई। फिर पूजा के बाद उनका उपयोग शुरू हुआ।

धनतेरस का पांच दिनों दीप पर्व शुरू हो चुका है। 19 अक्टूबर को रूप चतुर्दशी, 20 को दीपावली, 21 को भी अमावस्या रहेगी। धनतेरस पर इंदौर में कई इलाकों में बारिश भी हुई। इस कारण बाजारों की सजावट थोड़ी देर के लिए फीकी पड़ गई, लेकिन बारिश रुकते ही बाजारों में फिर भीड़ नजर आई। इंदौर के खजराना मंदिरों में नए वाहनों की पूजा करने वालों की भीड़ लगी रही।

धनतेरस पर बर्तन बाजार को सजाया गया। बर्तनों से दुकानों की सजावट देखते ही बनती थी। सराफा बाजार भी दुल्हन की तरह सजा-धजा नजर आया। सुबह से ही दुकानें खुल गई और ग्राहकों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। कनाड़िया, एमटीएस कपाउंड, मारोठिया, कपड़ा बाजार, श्रमिक क्षेत्र सहित कई बाजार देर रात तक शनिवार को खुले रहे। शहर की सड़कों पर ट्रैफिक भी बाधित होता रहा, लेकिन ज्यादातर चौराहों पर पुलिस जवान नजर आए।

सोयाबीन भावांतर योजना के अंतर्गत इंदौर संभाग में 1,45,188 किसानों ने कराया पंजीयन

इंदौर। राज्य शासन की भावांतर भुगतान योजना के तहत सोयाबीन फसल के लिए किसानों का पंजीयन कार्य पूर्ण कर लिया गया है। इस वर्ष किसानों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए अपने रकबे का पंजीयन कराया है। इंदौर संभाग के आठों जिलों में कुल 432 पंजीयन केन्द्रों पर 1,45,188 किसानों ने सोयाबीन भावांतर योजना में अपना पंजीयन कराया है।

कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इंदौर जिले में 61 पंजीयन केन्द्रों के माध्यम से 46,061 किसानों ने योजना में पंजीयन कराया है। जिले में सोयाबीन बोवनी का कुल रकबा 2,41,236 हेक्टेयर है, जिसमें से 1,22,809 हेक्टेयर रकबा पंजीकृत हुआ है, जो कुल बोवनी का 50.91 प्रतिशत है।

धार जिले में 80 केन्द्रों पर 37,940 किसानों ने पंजीयन कराया है। यहां कुल बोवनी का रकबा 2,97,859 हेक्टेयर है, जिसमें से 1,06,464 हेक्टेयर पंजीकृत हुआ है, जो 35.74 प्रतिशत है।

खण्डवा जिले में 73 केन्द्रों पर 20,001 किसानों ने पंजीयन कराया है। कुल 1,88,491 हेक्टेयर बोवनी रकबे में से 46,652 हेक्टेयर रकबा पंजीकृत (24.75%) हुआ है।

बड़वानी जिले में 47 केन्द्रों पर 13,455 किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया। जिले में 20,741 हेक्टेयर में बोवनी हुई, जिसमें से 15,592 हेक्टेयर रकबा पंजीकृत हुआ है। यह अनुपात 75.18 प्रतिशत है, जो संभाग में सर्वाधिक है।

इसी तरह खरगोन जिले में 75 केन्द्रों पर 13,364 किसानों ने पंजीयन कराया। यहां कुल बोवनी का रकबा 89,107 हेक्टेयर है और 24,799 हेक्टेयर रकबा (27.83%) पंजीकृत हुआ है। झाबुआ जिले में 10,478 किसानों ने 50 केन्द्रों पर पंजीयन कराया। कुल 72,488 हेक्टेयर में से 13,578 हेक्टेयर (18.73%) रकबा पंजीकृत हुआ। बुरहानपुर जिले में 24 केन्द्रों पर 2,534 किसानों ने पंजीयन कराया है। कुल 11,000 हेक्टेयर बोवनी में से 4,411 हेक्टेयर (40.10%) रकबा पंजीकृत हुआ है। आलीराजपुर जिले में 22 केन्द्रों पर 1,355 किसानों ने पंजीकरण कराया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्यवाही मिलावटी मावा और नकली मावा बनाने वाली सामग्री को जेसीबी से नष्ट करवाया

कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज और वित्त नियंत्रक श्री तोमर ने भगवान कुबेर एवं धन्वंतरी का पूजन कर मांगी विश्वविद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति

उज्जैन । वर्तमान में दीपावली पर्व के अंतर्गत कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में नागरिकों को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य सामग्री त्योहार के दौरान उपलब्ध हो सके तथा मिलावटी खाद्य पदार्थों पर अंकुश लगाया जा सके इसके अंतर्गत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जिले में निरंतर कार्यवाही की जा रही है।

इसी कड़ी में रविवार 19 अक्टूबर को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम और चिमनगंज पुलिस थाना टीम के द्वारा ग्राम बदरखां बैरसिया में बिना लाइसेंस के बनाए जा रहे मिलावटी मावे और नकली मावा बने बनाने वाली खाद्य सामग्री को जप्त कर जेसीबी से नष्ट करवाया गया । खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री बसंत दत्त शर्मा ने जानकारी दी कि ग्राम बदरखाँ बैरसिया में मौके पर रिजवान पटेल पिता एहसान पटेल

द्वारा अपने मकान में मावा भट्टी एवं बॉयलर स्थापित कर अवैध रूप से मिलावटी मावे का निर्माण किया जा रहा था।

रिजवान पटेल द्वारा मिलावटी मावा तैयार करने में स्किम्ड मिल्क पावडर एवं वनस्पति का उपयोग भी किया जा रहा था। उसके द्वारा मिलावटी मावा तैयार कर शाजापुर के व्यापारी को भी बस से भेजा जा रहा था। संयुक्त जांच दल द्वारा रिजवान पटेल से मिलावटी मावा लगभग 20 किलोग्राम एवं इसके निर्माण में उपयोग की जाने वाली खाद्य सामग्री वनस्पति 160 किलोग्राम एवं स्किम्ड मिल्क पावडर 225 किलोग्राम जप्त कर नमूना लेने की कार्यवाही की गई तथा जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गये।

नमूना कार्यवाही पश्चात् शेष समस्त जप्त खाद्य सामग्री लगभग 400 किलोग्राम अनुमानित मूल्य रूपये एक लाख जेसीबी के माध्यम से नष्ट कराई गई। विभाग द्वारा रिजवान पटेल के मावा निर्माण स्थल व भट्टी आदि को सील किया गया है। उक्त प्रकरण में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत कार्यवाही के अतिरिक्त पुलिस थाना चिमनगंज मण्डी द्वारा रिजवान पटेल के विरूद्ध एफआईआर भी दर्ज की गई है।

रूप चौदस पर 'स्वर्ग पान' पहुंचे महापौर, अपने हाथों से लोगों को खिलाया मीठा पान

पान खाने आए लोगों ने समस्याएं भी बताई, महापौर ने पान पर कत्था गुलकंद लगाते, समस्याओं का निराकरण भी किया

उज्जैन। दीपावली के एक दिन पहले रूप चौदस पर शहर के महापौर मुकेश टटवाल अपनी 30 साल पुरानी पान की दुकान 'स्वर्ग पान' पर पहुंचे। यहां महापौर ने लोगों को मीठा पान खिलाया। ऐसे में लोग अपनी समस्याएं लेकर भी महापौर के समक्ष पहुंचे, महापौर टटवाल ने पान पर कत्था मीठी चटनी, सौंफ, गुलकंद लगाते हुए मीठा पान खिलाने के साथ ही समस्याओं का निराकरण भी किया।

महापौर मुकेश टटवाल की यह पान की दुकान इंदौर रोड स्थित संत नगर में करीब तीन दशक पुरानी है। महापौर ने बताया कि उन्होंने 30 साल पहले इसी दुकान से अपने जीवन की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा, ÷यह मेरी खुद की दुकान है। जब भी प्रमुख त्योहार होते हैं और मुझे समय मिलता है, मैं यहां आता हूं।÷ यहां आकर सभी लोगों से मिलना हो जाता है और अपनी दुकान पर बैठकर सभी को पान खिलाकर उन्हें खुशी मिलती है। इस दौरान लोग अपनी बातें भी साझा करते हैं, जिससे उनसे सीधा संवाद स्थापित होता है। दीपावली पर्व से एक दिन पहले रविवार को अपनी 30 साल पुरानी पान की दुकान पर पहुंचे महापौर टटवाल ने दुकान पर आए लोगों को मीठे मसाले के साथ पान खिलाया और उनके साथ समय बिताया। महापौर ने सभी को दीपावली की मंगल कामनाएं भी दी।

नर्क चतुर्दशी पर आज होगा दिवाळी पहाट

उज्जैन। स्वर संवाद सांस्कृतिक एवं साहित्यिक संस्था उज्जैन द्वारा पद्मश्री डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर स्मृती दिवाळी पहाट का आयोजन आज नर्क चतुर्दशी, सोमवार, 20 अक्टूबर को प्रातः 8 से 10 कालिदास संस्कृत अकादमी के अभिरंग नाट्यगृह में किया जा रहा है। कार्यक्रम में इंदौर के नीलांभ नलवडे शास्त्रीय तथा उपशास्त्रीय गायन की प्रस्तुति देंगे। रवींद्र किल्लेदार, निशांत शर्मा तथा विश्वास चांदोलीकर विविध वाद्य संगत द्वारा कार्यक्रम को और अधिक रंजक बनायेंगे। 'स्वर संवाद का यह आयोजन समस्त संगीत प्रेमी श्रोताओं हेतु खुला है। स्वर संवाद की अध्यक्ष डॉ. विद्या दिलीप जोशी, सचिव सोमेश्वर खेर एवं समस्त कार्यकारिणी एवं कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील अपने वार्षिक सदस्यों से की है।

आज 03.46 के बाद ही महालक्ष्मी पूजन करना शास्त्र सम्मत और शुभ

पितृ कार्य के लिए अमावस्या तिथि 21 अक्टूबर मंगलवार को रहेगी

उज्जैन। 20 अक्टूबर को अमावस्या तिथि दोपहर 03.46 से प्रारंभ होगी और 21 अक्टूबर मंगवार को शाम 05.56 तक ही अमावस्या रहेगी और इसी दिन सूर्यास्त के साथ ही अमावस्या तिथि समाप्त होने से आज 20 अक्टूबर सोमवार 03.46 के बाद ही अपने घर प्रतिष्ठान पर महालक्ष्मी पूजन करना शास्त्र सम्मत और शुभ रहेगा।

बाबा गुमानदेव हनुमान गढ़ी के गादीपति ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास के अनुसार पितृ कार्य के लिए अमावस्या तिथि 21 अक्टूबर मंगलवार को रहेगी। अमावस्या तिथि मंगलवार शाम 05.56 तक रहेगी। 22 अक्टूबर बुधवार को गोवर्धन पूजन और 23 अक्टूबर गुरुवार को भाई दूज रहेगी।

पं. चंदन व्यास के अनुसार दीपावली महालक्ष्मी पूजन मुहूर्त आज 20 अक्टूबर सोमवार को चौघड़िया अनुसार मुहूर्त दोपहर 03.46 से 04.31 बजे तक लाभ, दोपहर 04.31 से 5.57 अमृत, सांय 05.57 से 07.31 चर, रात्रि 10.38 से 12.11 बजे तक लाभ। वहीं स्थिर लग्न अनुसार दोपहर 03.46 से 04.13 कुंभ लग्न, सांय 07.24 से 09.23 वृषभ लग्न, मध्य रात्रि 01.53 से 04.05 सिंह लग्न रहेगा।

प्रसन्नता आरोग्यता समृद्धि और उल्लास का महापर्व दीपावली-पं. चंदन व्यास ने बताया भारत में मनया जाने वाला सबसे महत्वपूर्व और लोकप्रिय त्यौहार दीपावली है। इस वर्ष दीपावली पर्व सम्पूर्ण भारत में कार्तिक कृष्ण अमावस्या 20 अक्टूबर सोमवार को संपूर्ण भारत में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

4 घंटे चले अनुष्ठान में विश्व शांति और समृद्धि के लिए डाली आहुतियां

दीवाली की पूर्व बेला पर खाराकुआं जैन मंदिर में श्री घंटाकर्ण महावीर का 12 कुंडीय हवन

उज्जैन। दीपावली की पूर्व बेला चतुर्दशी पर रविवार सुबह 9 बजे से खाराकुआं स्थित श्री सिद्धचक्र केसरियानाथ तीर्थ खाराकुआं पर अधिष्ठायक देव श्री घंटाकर्ण महावीर का 12 कुंडीय हवन अनुष्ठान शास्त्रोक्त विधान से हुआ। इसमें विश्व कल्याण एवं समस्त प्राणियों की सुख-समृद्धि, आरोग्यता के लिए हजारों आहुतियां डाली गयी।

श्री जैन श्वेतांबर (छोटे साथ) युवा संघ द्वारा आयोजित इस हवन एवं महापूजन कार्यक्रम में सैकड़ों समाजजन शामिल हुए। इसमें उपस्थित भक्त सुमधुर भक्ति गीतों पर झूम उठे। युवा संघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. राहुल कटारिया एवं युवा संघ अध्यक्ष श्रीपाल रजावत के अनुसार आयोजन का यह सातवां वर्ष है। इस दौरान घंटाकर्ण महावीर को पगड़ी धारण करवाकर श्रृंगारित

किया गया।

विभिन्न द्रव्य, फल, नैवेद्य अर्पित कर विशिष्ट सामग्री आहुति में डाली गई। कार्यक्रम में बतौर अतिथि सांसद श्री अनिल फिरोजिया, एमआईसी मेंबर रजत मेहता, भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय तिवारी, कपिल कटारिया आदि शामिल हुए। हवन की मुख्य पीठिका के लाभार्थी अनिल कुमार, राहुल, आकाश, जितेन्द्र शेखावत एवं दो सह पीठिका लाभार्थी संजय कांतिलाल जी संयम जी संघवी एवं भेरुलाल जी नेमीचंद छाजेड़ (सुवासरा वाला) परिवार रहे। इस दौरान समाज के जयंतीलाल जैन तेलवाला, गौतमचंद धीग, नरेंद्र जैन दलाल, संजय पावेचा, संजय जैन खली, अनूप जैन, प्रदीप नाहर, यश जैन, राजेश कटारिया, ललित रजावत, मनीष कटारिया, मंगलेश कटकानी, पारुल नाहर, मोनू जैन, सचिन बोहरा, स्वर्णिक कोठारी आदि उपस्थित रहे। लाभार्थियों का स्मृति चिन्ह, शॉल भेंट कर बहुमान किया। विधिकारक बृजेश श्रीश्रीमाल ,सुजानमल रजावत के आचार्यत्व में चंद्रेश जैन व तनिष्क मारू ने विधि विधान से हवन संपन्न कराया। युवा गायक यश जैन यशश्री एवं संजय छाजेड ने सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी जिस पर सभी झूम उठे। महापूजन में शामिल लोगों को श्री घंटाकर्ण महावीर का विशिष्ट यंत्र मंत्रों द्वारा पूजित कर प्रदान किया गया एवं अंत में सभी का साधार्मिक वात्सल्य हुआ।

श्री अग्रवाल नवयुवक मंडल ने वितरीत किया खुशियों का खजाना

उज्जैन। दीपावली के शुभ अवसर पर फ्रीगंज ब्रिज के नीचे बस्ती में दीपावली हैंपर का वितरण किया गया। हैंपर में मिठाई, नमकीन, पटाखे, सेलिब्रेशन चॉकल्ट, जूस, दीपक, मूँग दाल आदि जरूरतमंद बच्चो को वितरीत किए।

श्री अग्रवाल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष इंद्रेश अग्रवाल एवं सचिव दीपेश अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनिल बालमुकुंद अग्रवाल, शशींद्र अग्रवाल, प्रकाश हरभज़नका रहे। इस मौके पर अग्रवाल पंचायत न्यास के अध्यक्ष निमेष अग्रवाल, सचिव दीपक मित्तल, न्यासी विजय अग्रवाल, न्यासी संजय अग्रवाल, न्यासी जयकिशन अग्रवाल उपस्थित रहे। विशेष सहयोग राजेश अग्रवाल, शिवम् गर्ग, महेश अग्रवाल फ़िल्म, मोहित अग्रवाल, आदित्य मंगलम, नवीन गुप्ता, विशाल अग्रवाल, अवध सिंघल, आयुष चौधरी, श्लोक अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, अर्पित गोयल, मयंक अग्रवाल, सहज मित्तल, कृष्ण अग्रवाल, नवीन गर्ग, मोनिल अग्रवाल, विजय अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल का रहा। नवयुवक मंडल के प्रतीक अग्रवाल, पुरुषोत्तम बंसल, आदित्य बंसल, हरीश मित्तल, पवन अग्रवाल, मांगीलाल अग्रवाल, मोनिल अग्रवाल, प्रियेश अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, अक्षत अग्रवाल, महिलाओं में वंदना अग्रवाल एवं सीमा हरभज़नका उपस्थित रहे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com